जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, मंगलवार 19 सितम्बर, 2023

रह गए हैं कम
MISS किया तो होगा गम

3 BHK BIG कोठी (EAST FACING) SOLD OUT

4 BHK BIGGER कोठी (EAST FACING) SOLD OUT

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL 1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		अगस्त की रेट	सितम्बर की रेट	अक्टूबर की रेट	नवम्बर की रेट	दिसम्बर की रेट	जनवरी की रेट	पजेशन की रेट	POSSESSION DEC. 2025
युनिट टाइप	साइज	NPO New Product Offer	+5%	+10%	+15%	+20%	+25%	+50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

समाज से समाप्त होता सार्वजनिक संवाद

हाल ही में आयोजित 20 सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बहुत ही अच्छी बात कही कि भारत में लोकतंत्र की स्थापना 1947 में इसकी स्वतंत्रता के बाद ही नहीं हुई अपितु यहाँ तो हजारों वर्षों से लोकतन्त्र रहा है । स्वस्थ विचारों की तर्कपूर्ण अभिव्यक्ति और परस्पर संवाद, जिसे पहले शास्त्रार्थ कहा जाता था, उसकी हमारे यहां पर समृद्ध परंपरा रही है । याज्ञवल्क्य- मैत्रेयी और शंकराचार्य- मंडन मिश्र के शास्त्रार्थ तो अविस्मरणीय थे।

आधुनिक लोकतंत्र में भी संवाद के सिद्धांतों को अंगीकार किया गया है। मनुष्य के सोचने की शक्ति सभी प्राणियों में श्रेष्ठ है और इसीलिए वह प्रत्येक विषय पर कई प्रकार के विचार रख सकता है। इनमें से कई विचार विरोधाभासी भी हो सकते हैं। अपने-अपने विचारों को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता ही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है।

स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न महापुरुषों में भी, कई विषयों पर विचार वैभिन्य रहा है, किंतु सभी ने एक-दूसरे के विचारों का सम्मान किया है। उदाहरण के लिए रविंद्र नाथ टैगोर और महात्मा गांधी को ही लें। दोनों में अनेक विषयों पर नितांत असहमति थी पर इससे उनके वैयक्तिक सबंधों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। टैगोर जहां एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि थे और पूरी मानवता को एक दृष्टि से देखते थे वहीं गांधी, स्वतंत्रता आंदोलन के नायक थे। वे राष्ट्रवादी थे और उनका उद्देश्य जनता को संगठित कर देश को अंग्रेज़ों की गुलामी से मुक्त कराना था। गांधी और टैगोर के विचारों में किसी भी विषय पर दृष्टिकोण में कई घोर असमानता होती थी जिसे वह समय-समय पर व्यक्त भी करते रहते थे । इसके लिए टैगोर नियमित रूप से लेख लिखते थे जिन पर गाँधी जी अपनी आलोचनात्मक टिप्पणी से उन्हें अवगत कराते थे।

हाल ही में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक व्याख्यान में अशोका विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर रुद्राक्ष मुखर्जी ने बहुत सुंदर तरीके से गांधी और टैगोर के सार्वजनिक संवाद के बारे में विस्तृत चर्चा की । उन्होंने यह बताया कि किस प्रकार दोनों, अनुशासन को आवश्यक मानते हुए भी, अनुशासन को लाने का तरीका अलग-अलग मानते थे । गांधी जहां इसके लिए नियम और निर्देश की बात करते थे ,वहीं टैगोर का मानना था कि किसी भी व्यक्ति को अपने अंदर से अनुशासन उत्पन्न करने की आवश्यकता है और बाहर से थोपा गया अनुशासन उनके अनुसार सही नहीं था। इसका अनुभव उन्हें तब हुआ जब महात्मा गांधी 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे तो वहाँ की फिनिक्स समिति के विद्यार्थियों को उन्होंने टैगोर द्वारा संचालित शांति निकेतन में पढ़ने हेतु भेज दिया। गांधी जब यहां आए और उन्होंने यह देखा कि अलग-अलग जाति के बच्चे, अलग-अलग पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं तथा बर्तन साफ करने और शौचालय की सफाई के लिए अलग कर्मचारी रखे हुए हैं, तो उन्हें यह बात पसंद नहीं आई। उन्होंने इसके लिए टैगोर को कहा कि आप क्यों नहीं इसके लिए नियम बनाते हैं कि विद्यार्थी अपना सारा काम स्वयं करें । टैगोर ने उन्हें उत्तर दिया कि वे विद्यार्थियों से बात करें और उन्हें इसके लिए प्रेरित करें, यदि वह ऐसा करने के लिए राजी हो जाते हैं तो उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं होगी किंतु इसके लिए वह कोई निर्देश जारी करता उचित नहीं समझते। गांधी और टैगोर के अहिंसा के बारे में भी काफी अलग-अलग विचार थे । टैगोर और गांधी दोनों एक-दूसरे को पत्र लिखा करते थे और उस पत्र में यह भी लिख देते थे कि वह इस पत्र को सार्वजनिक रूप से प्रकाशित कर रहे हैं।

वर्तमान में क्या यह संभव है कि किसी एक विचारधारा का जनप्रतिनिधि दूसरे विचारधारा के प्रतिनिधि को कोई विरोधी बात लिखे और फिर भी दोनों के बीच में किसी प्रकार की कटुता न हो? सोचिए, क्या प्रधानमंत्री मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी में कुछ इस प्रकार का संवाद सम्भव है?आज प्रतिक्रिया, किसी भी व्यक्ति द्वारा व्यक्त किए गए विचार के बारे में न होकर, जिस व्यक्ति ने यह बात कही है, उस पर आक्रमण के रूप में अधिक होती है। यही प्रवृत्ति समाज में स्वस्थ संवाद को बहुत हानि पहुंचाती है। भारत जैसे विविधता पूर्ण देश में, स्वाभाविक है रहन-सहन, खान-पान, बोली-चाली, रीति-रिवाज आदि कई प्रकार के हैं । विभिन्न धार्मिक और सामाजिक उत्सव मनाने के तरीके भी अलग-अलग हैं, जो एक-दूसरे में विवाद तक उत्पन्न करने की संभावना रखते हैं । आज कोई व्यक्ति लेख, साक्षात्कार, व्याख्यान, कार्टून आदि के माध्यम से अपने विचार अभिव्यक्त करता है तो तत्काल ही विपक्षी विचारधारा के व्यक्ति, संबंधित विषय पर अपनी बात कहने के स्थान पर, जिस व्यक्ति ने बात कही है, उसी को ट्रोल करना प्रारंभ कर देते हैं । इसका परिणाम यह होता है कि कई व्यक्ति चाहते हुए भी अपनी बात को अपने तक ही सीमित रखते हैं और उसे सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त करने का साहस नहीं जुटा पाते हैं। सरकार का अधिक दायित्व होता है कि वह विचारों की अभिव्यक्ति के अधिकार की सुरक्षा करे।

स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न महापुरुषों में भी, कई विषयों पर विचार वैभिन्य रहा है, किंतु सभी ने एक-दूसरे के विचारों का सम्मान किया है। उदाहरण के लिए रविंद्र नाथ टैगोर और महात्मा गांधी को ही लें। दोनों में अनेक विषयों पर नितांत असहमति थी पर इससे उनके वैयक्तिक सबंधों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

दुर्भाग्य से संवाद के लिए सार्वजनिक स्थान, धीरे-धीरे सिकुड़ता जा रहा है और मानव की प्रवृत्ति भी उदारवादी होने के स्थान पर संकुचित होती जा रही है । अपने विश्वास और अपने विचार के प्रति आस्था रखना अलग बात है, किंतु दूसरे व्यक्ति के विचार और उसकी आस्था को कमतर करके आंकना अलग बात है।

टैगोर और गांधी लगभग एक ही काल खंड में हुए थे। उन्होंने संवाद में जहां एक-दूसरे के ठीक विपरीत अपने विचार रखे थे किंतु इसके बावजूद, दोनों में एक-दूसरे के प्रति सम्मान में किसी प्रकार की कमी नहीं आई।

यहां एक और घटना का उल्लेख करना उचित होगा, जब पुणे में महात्मा गांधी अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठे थे और उनका स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा था। रविंद्र नाथ टैगोर ने अपने सचिव को उनके पास उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने हेतु भेजा और जब लगा कि गांधी का स्वास्थ्य अत्यधिक खराब है तो वह स्वयं शांति निकेतन से चलकर पुणे आए और गांधी जी को अनशन तोड़ने हेतु कहा। गांधी जी ने उनसे कहा कि वह पहले एक कविता उनको सुनाएं, उसके बाद ही वह अपना अनशन तोड़ेंगे । टैगोर ने उसी समय एक कविता 'एकला चालो रे....' बनाई और सुनाई। उसको सुनने के बाद गांधी जी ने टैगोर के हाथों से संतरे का रस पीकर अपना अनशन समाप्त किया। एक दूसरे के प्रति सम्मान की भावना इन दो महापुरुषों कितनी रही थी, इसका अनुमान इस घटना से लगाया जा सकता है।

टैगोर आयु में गांधी से 8 वर्ष बड़े थे और गांधी से सात वर्ष पहले 1941 में दुनिया से विदा भी हो गए। गांधी को जहां विभाजन की विभीषिका और उसके कारण उत्पन्न हिंसा को देखने का कष्ट झेलना पड़ा था वहीं टैगोर यह देखने से पहले ही दुनिया से चले गए। हां, उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के विनाश को अवश्य देखा था । 1915 से 1940 के मध्य गांधी और टैगोर के मध्य हुए पत्राचार को पढ़ना आज की पीढ़ी के लिए उपयुक्त होगा। टैगोर को अपने लेख पर गांधी की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा रहती थी। दोनों निर्भीकता से एक-दूसरे के विचारो से असहमति ही प्रकट नहीं करते थे बल्कि इस बात का साहस भी रखते थे कि वह उसे सार्वजनिक करें। किसी भी लेख में एक-दूसरे के प्रति किसी प्रकार की व्यक्तिगत कटुता का कोई भाव कभी नहीं देखा गया चाहे विचारों में भिन्नता कितनी ही क्यों न हो?

आज, संवाद के लिए पुनः ऐसा वातावरण बनाने की आवश्यकता है। इस हेतु पहल, जहां समाज के सभी वर्गों को करनी होगी, वहीं शासन की इसमें प्रमुख भूमिका बनती है। किसी दूसरे के विचारों के प्रति सम्मान रखना अपने विचारों को छोड़ना नहीं होता है। सभी पक्षों के विचार सुनने के बाद यह नागरिकों पर छोड़ देना चाहिए कि वह किस विचार को अधिक उपयुक्त मानते हैं? किसी भी विचार को थोपा जाना लोकतंत्र के लिए बड़ा घातक सिद्ध हो सकता है। जिस देश में इस प्रकार की स्वस्थ एवं समृद्ध परंपरा रही हो, वहां पर संकीर्णता का व्यवहार चिंता का विषय है, जिस पर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं, समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों को विचार करने की आवश्यकता है। ऐसा कोई विषय नहीं है, जिसका संवाद के माध्यम से हल नहीं निकल सकता । केवल करना इतना है, कि हमें परस्पर सम्मान की भावना को नहीं छोड़ना है ।

यदि हम आगामी चुनावों के समय इस मूल सिद्धांत की पालना कर सकें कि लोकतंत्र में संवाद का स्थान सर्वोपरि है, तो निश्चित रूप से सार्वजनिक बहस का स्वस्थ रूप देश के सामने आएगा और देश के नागरिकों को अपना निर्णय लेने में अधिक सुविधा होगी ।

वर्तमान समय में कई विषय हैं जिन पर सार्वजनिक संवाद की अत्यधिक आवश्यकता है- जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था आदि।

क्या शिक्षा ऐसी हो जो केवल कुछ अभिजात्य वर्ग के लोगों को ही अच्छी शिक्षा के अवसर दे या फिर सभी देशवासियों को अपनी पूर्ण क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करे ताकि वे न केवल राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें अपितु प्रगति का लाभ उठाकर अपना जीवन स्तर बेहतर करने में भी सक्षम हो सकें ?

आर्थिक प्रगति क्या पूर्णतया बाजार आधारित हो जिससे जी डी पी तो तेज गति से बढ़े किन्तु पूँजी का केंद्रीकरण कुछ हाथों में हो या फिर इसकी दिशा समता मूलक समाज का निर्माण करने की हो जिससे सभी नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके और वे गरिमापूर्ण जीवन जी सकें? इसी प्रकार, क्या स्वास्थ्य व्यवस्था को निजी क्षेत्र के भरोसे छोड़ देना चाहिए जिसमें प्रमुख भूमिका बीमा कंपनियों और कोर्पोरेट अस्पतालों की हो या सबको गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ करने की जिम्मेदारी सरकार स्वयं निभाए? क्या हम ऐसा समाज चाहते हैं जो बहुमत वाद पर आधारित हो या फिर ऐसा जिसमें विविधताओं को स्वीकार करते हुए सबको फलने-फूलने का अवसर मिले ?

ये सब ऐसे विषय हैं, जिन पर कई मत हो सकते हैं। किसी प्रकार का मत रखने वाले को यह भय नहीं होना चाहिए कि उसके मत के कारण उसे सरकार या अन्य किसी समुदाय के कोप का भाजन बनना पड़ेगा । ऐसा वातावरण होगा, तब ही लोग उन्मुक्त हो कर अपनी राय व्यक्त करने के लिए प्रेरित होंगे। संवाद, विषय एवं विचारधारा पर केंद्रित होना चाहिए न कि संबंधित व्यक्ति विशेष पर।

देश, वर्तमान में ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां भयमुक्त वातावरण में संवाद को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है ताकि सर्वाधिक उपयुक्त निर्णय लिए जा सकें। यदि आज के नेता, टैगोर और गांधी न भी बन पायें तो उनके उदारवादी परस्पर सम्मान की भावना का अनुसरण तो कर ही सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

नज़र आने लगा है जलवायु परिवर्तन का असर

अविनाश जोशी

जलवायु पारवतन का असर अब धरती से लेकर समुद्र तक स्पष्ट दिखाई देने लगा है। जहां धरती गर्म हो रही है, वहीं समुद्र ठंडा नहीं हो पा रहा है। लिहाजा, मनुष्य समेत अन्य प्राणियों पे इस तापमान वृद्धि का प्रभाव अत्याधिक महसूस हो रहा है। इस गर्मी का सबसे ज्यादा असर अमेरिका और यूरोप में अनुभव किया गया। इसकी वजह मौसम तंत्र का कमजोर होना है, जो ताप को पूरी धरती में बांटता है। एक अन्य अध्ययन से पता चलता है कि दक्षिण एशिया में ग्रामीण एवं शहरी निम्न आय परिवारों में समुचित आवासीय व्यवस्था की गुणवत्ता में कमी होने तथा हवा के आवागमन के अभाव के कारण बाहरी तापमान के मुकाबले घरों के भीतर का तापमान ज्यादा हो गया है। असहनीय बढ़ती गर्मी गरीबी और असमानता को और अधिक बढ़ा कर विकास के प्रयासों को कमजोर कर सकती है।

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दे के रूप में उभर कर आया है। जलवायु परिवर्तन कोई एक देश या राष्ट्र से संबंधित अवधारणा नहीं है अपितु यह एक वैश्विक अवधारणा है जो समस्त पृथ्वी के लिए चिंता का कारण बनती जा रही है। देखा जाए तो जलवायु परिवर्तन से भारत सहित पूरी दुनिया में बाढ़, सूखा, कृषि संकट एवं खाद्य सुरक्षा, बीमारियां, आदि का खतरा बढ़ा है। लेकिन चूंकि भारत का एक बड़ा तबका आज भी कृषि पर निर्भर है, इसलिए जलवायु परिवर्तन हमारी कृषि अर्थव्यवस्था पे गहरा प्रभाव डाल सकती है इसलिए हमे कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखना बहुत जरूरी हो जाता है। जलवायु परिवर्तन के कारण विश्व की कृषि अर्थव्यवस्था भी गंभीर मंदी का सामना कर रही है। हालांकि कुछ फसल इससे लाभान्वित भी होंगी किन्तु फसल उत्पादकता पर जलवायु परिवर्तन का कुल प्रभाव सकारात्मक से ज्यादा नकारात्मक होगा। भारत में अगले 25 सालो में जलवायु परिवर्तन के कारण लगभग 6 प्रतिशत से 8 प्रतिशत के बीच उत्पादन के गिरने की संभावना है। एक शोध के अनुसार, यदि वातावरण का औसत तापमान 1 डिग्री सेल्सियस बढ़ता है तो इससे गेहूं का उत्पादन 16 प्रतिशत तक कम हो सकता है। इसी प्रकार 2 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने से धान के उत्पादन में भी कमी होने के संकेत है।

शहरी इलाकों में गर्मी की समस्या विशेष रूप से चरम पर है, जहां शहरी ऊष्मा का प्रभाव शहरों को उसके आसपास के इलाकों से ज्यादा गर्म बना देता है वही शहरी गर्मी का प्रभाव प्राकृतिक वनस्पतियों के कंक्रीट एवं डामर से प्रभावित होने और वाहनों, उद्योगों एवं एयर कंडीशनरों से अपशिष्ट ऊष्मा के उत्सर्जन के कारण भी हो सकता है। शहरी गर्मी प्रभावित शहर के भीतर थर्मल असमानताएं भी उत्पन्न करती है इससे गरीब एवं वंचित तबका ज्यादा पीड़ित होता है।

जलवायु परिवर्तन से पूर्व यह समझ लेना आवश्यक है कि जलवायु क्या होती है? सामान्यतः जलवायु का आशय किसी दिये गए क्षेत्र में लंबे समय तक औसत मौसम से होता है। जब किसी क्षेत्र विशेष के औसत मौसम में परिवर्तन आता है तो उसे जलवायु परिवर्तन कहते हैं। जलवायु परिवर्तन को किसी एक स्थान विशेष में भी महसूस किया जा सकता है एवं संपूर्ण विश्व में भी। यदि वर्तमान संदर्भ में बात करें तो यह इसका प्रभाव लगभग संपूर्ण विश्व में देखने को मिल रहा है।

पृथ्वी का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिक बताते हैं कि पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। पृथ्वी का तापमान बीते 100 वर्षों में 1 डिग्री फारेनहाइट तक बढ़ गया है। पृथ्वी के तापमान में यह परिवर्तन संख्या की दृष्टि से काफी कम हो सकता है, परंतु इस प्रकार के किसी भी परिवर्तन का मानव जाति पर बड़ा असर हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के कुछ प्रभावों को वर्तमान में भी महसूस किया जा सकता है।

जलवायु को संतुलित रखने में समुंद्र का बड़ा योगदान रहता है। पृथ्वी के 71 प्रतिशत भाग में समुद्र व्याप्त है, जो कि वातावरण तथा ज़मीन की तुलना में दोगुना सूर्य का प्रकाश का अवशोषण करते हैं। वायुमंडल की अपेक्षा 50 गुना अधिक कार्बन डाइऑक्साइड गैस समुद्र में होती है। समुद्री कि लहरों में बदलाव आने से जलवायु प्रभावित होती है।

नए अनुसंधानों से पता चला है कि पिछले पचास वर्षों में समुद्रों में ऐसे क्षेत्रों का विस्तार हुआ है, जहां आक्सीजन की मात्रा में आशातीत कमी दर्ज की गई है। ऐसी आशंका जताई गई है कि इसका सीधा संबंध वैश्विक जलवायु परिवर्तन से है। दरअसल, समुद्र की एक निश्चित गहराई पर आक्सीजन की मात्रा की न्यूनतम परत होती है। यह परत ऊपर-नीचे दोनों तरफ फैल रही है। आमतौर पर जलवायु परिवर्तन के नमूनों से पता चलता है कि मानवीय क्रियाकलापों के कारण समुद्री सतह गर्म होगी, तो समुद्री पानी के मंथन की स्वाभाविक दिनचर्या प्रभावित होगी। ऐसा होने पर भीतर के पानी में आक्सीजन नहीं पहुंचेगी।

जलवायु परिवर्तन में औद्योगिकीकरण की बड़ी भूमिका है। विभिन्न प्रकार की मिलें वातावरण में सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड तथा अनेक प्रकार की अन्य ज़हरीली गैसें और धूलकण हवा में छोड़ती हैं, जो वायुमंडल में काफी वर्षों तक विद्यमान रहती है। यह ग्रीन हाउस प्रभाव, ओज़ोन परत का क्षरण तथा भूमंडलीय तापमान में वृद्धि जैसी समस्याओं का कारण बनते हैं। वायु, जल एवं भूमि प्रदूषण भी औद्योगिकीकरण की ही देन हैं।

निरंतर बढ़ती हुई आबादी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिये वृक्ष काटे जा रहे हैं। आवास, खेती, लकड़ी और अन्य वन संसाधनों की चाह में वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है, जिससे पृथ्वी का हरित क्षेत्र तेजी से घट रहा है और साथ ही जलवायु के परिवर्तन में तेजी आ रही है।

पिछले कुछ दशकों में रासायनिक उर्वरकों की माँग इतनी तेजी से बढ़ी है कि आज विश्व भर में 1000 से भी अधिक प्रकार की कीटनाशी उपलब्ध हैं। जैसे-जैसे इनका उपयोग बढ़ता जा रहा है वैसे-वैसे वायु, जल तथा भूमि में इनकी मात्रा भी बढ़ती जा रही है, जो कि पर्यावरण को निरंतर प्रदूषित कर घातक स्थिति में पहुँचा रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण कीटों और रोगाणुओं में वृद्धि होती है। गर्म जलवायु में कीट-पतंगों की प्रजनन क्षमता बढ़ जाती है जिससे कीटों की संख्या बहुत अधिक बढ़ जाती है और इसका कृषि पर काफी दुष्प्रभाव पड़ता है। साथ ही कीटों और रोगाणुओं को नियंत्रित करने की कीटनाशकों का प्रयोग भी कहीं ना कहीं कृषि फसल के लिए नुकसानदायक ही होता है।

मौसम में बदलाव का असर समुद्र की सतह पर भी दिखाई देने लगा है। इस असर से समुद्र की पारिस्थितिकी तंत्र के गड़बड़ाने का संकट है। समुद्र की ऐसी तलहटियों में आक्सीजन की मात्रा कम होती जा रही है, जहां पहले से ही आक्सीजन कम है। समुद्री आक्सीजन की गिरावट जारी रही, तो तय है कि ऐसे समुद्री जीवों के मरने का सिलसिला शुरू हो जाएगा, जिन्हें मनुष्य भोजन के रूप में इस्तेमाल करता है। खाद्यान्न की इस कमी के कारण भी समुद्र तटीय इलाकों से लोगों को पलायन करना पड़ेगा, जो पर्यावरण शरणार्थियों की संख्या में इजाफा करेगा। यह स्थिति समुद्री रेगिस्तान का विस्तार भी करेगी।

अतः कहा जा सकता है कि जलवायु परिवर्तन वैश्विक और भारतीय कृषि व्यवस्था पर वृहद स्तर पर प्रभाव डालता है इस अवस्था में उच्च तकनीकों को अपनाकर कृषि व्यवस्था को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचाया जा सकता है। ऐसा करना वर्तमान समय की आवश्यकता है अन्यथा भविष्य में इसके घातक परिणाम झेलने पड़ सकते हैं। इसी दिशा में अर्थात भारतीय कृषि को जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल और सक्षम बनाने में भारत सरकार द्वारा किये गए प्रयास भी सराहनीय हैं। इस प्रकार कृषि को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए हमें मिल-जुलकर पर्यावरण को संरक्षित करने के तरीकों को अहमियत देनी होगी ताकि हम अपने प्राकृतिक संसाधनो को बचा सकें और कृषि व्यवस्था को अनुकूल बना सकें।

–अविनाश जोशी,
स्वंतत्र पत्रकार एवं लेखक

विद्यालय की सीढ़ी टूटने से पांच बच्चे घायल, अस्पताल में उपचार जारी

बूंदी, (निसं)। राजकीय भवनों में हो रहे निर्माण कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते हो रहे घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग की भेंट चढ़ने से विद्यालय के बच्चे उस समय बाल-बाल बच गए, जब विद्यालय की पहली मंजिल से उतरते समय सीढ़ियां धराशायी होकर गिर पड़ी।

घटना सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झाली जी का बराणा की हैं, जहां अवकाश के बाद बच्चे सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे। घटना के बाद घायल 1 छात्र सहित पांच छात्र छात्राओं को जिला चिकित्सालय बून्दी में उपचार के लिए भर्ती किया गया हैं। जहां जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने पहुंच कर छात्र छात्राओं की कुशलक्षेम पूछी।

प्रधानाचार्य निधि छीपा ने बताया कि सोमवार को दोपहर 1 बजे के आसपास अवकाश होने पर 10वीं 11वीं के छात्र-छात्राएं सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे, तभी अचानक सीढ़ियां अपने आप ही नीचे आ गिरी। सीढ़ियों के गिरने से उन पर आ रहे लगभग 7-8 छात्र-छात्राएं भी सीढ़ियों की चपेट में आने से घायल हो गए। जिन्हें तुरंत सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल एक छात्र सहित पांच छात्र-छात्राओं को जिला चिकित्सालय बूंदी के लिए एंबुलेंस में रवाना कर दिया। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्य) ओम प्रकाश गोस्वामी ने बताया कि विद्यालय के समीप रहने वाले सेवानिवृत प्रधानाचार्य बजरंग लाल से उक्त घटना की सूचना मिलते ही जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र व्यास ने झाली जी का बराणा प्रधानाचार्य से घटना की जानकारी लेकर समसा के सहायक अभियंता अशोक उपाध्याय के साथ तुरंत घटना स्थल के लिए रवाना हो गए। जहां पहुंच कर जिला शिक्षा अधिकारी व्यास ने घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए विस्तृत जानकारी ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद शाम को जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने जिला अस्पताल पहुंच कर घायल छात्र छात्राओं से जानकारी और उनकी कुशलक्षेम पूछी।

कलेक्टर ने अस्पताल पहुंच कर घायल छात्राओं की कुशलक्षेम पूछी।

जिला कलेक्टर डॉ. गोस्वामी ने घटना के बाद छात्र छात्राओं की मदद करने वाले घायल छात्र सुरेश सैनी का नाम वीरता पुरस्कार के लिए अभिशंसित करेन की भी बात कही। इन्होंने चिकित्सा और शिक्षा अधिकारियों से चर्चा कर इनकी देखरेख और उचित उपचार के निर्देश दिए। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र व्यास और अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. धनराज मधुर भी मौजूद रहे।

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश जी का मुख्य मेला आज

सवाईमाधोपुर, (निसं)। रणथंभौर दुर्ग स्थित त्रिनेत्र गणेश जी का तीन दिवसीय लख्खी मेले का आज सोमवार को श्री गणेश हुआ। महंत बृजकिशोर दाधीच ने मंदिर पर ध्वज चढ़ा कर विधि वित पूजा अर्चना कर मेले का श्री गणेश किया। सोमवार से शुरू हुए इस मेले में लाखों की तादाद में भक्त रंणभवर के लाडले तेरी हो जय जयकार, का गुणगान करते हुए पहुंच रहे हैं अनेक जिलों से पैदल यात्राओं के जत्थे डीजे की धुन पर नाचते हुए पहुंच रहे हैं। प्रतिवर्ष भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी पर रणथंभौर मंदिर पर लगने वाले इस मुख्य मेले में लगभग 8 से 10 लाख भक्तों के आने की संभावना है। मेले को लेकर जिला प्रशासन एवं मंदिर ट्रस्ट की ओर से लगभग सभी तैयारियां चाक चोबंद है। गणेश मंदिर के महत्व संजय दाधीच ने जानकारी देते हुए बताया कि रणथंभौर दुर्ग में त्रिनेत्र गणेश जी जो अपने पूरे परिवार रिद्धि सिद्धि एवं पुत्र शुभ लाभ सहित विराजमान है।

विधायक कोष से बने सुलभ शौचालय की हो रही दुर्दशा

सांभरझील, (निसं)। विधायक कोष से निर्मित करवाए गए सांभर के पांच बत्ती चौराहे के उत्तर दिशा की तरफ सुलभ शौचालय अब आम उपयोग के लिए दुर्लभ शौचालय बन चुका है।

पुरुष और स्त्रियों के लिए दो खंडों में बने शौचालय के ताला हमेशा ही लटका मिलता है, अब इसका उपयोग मात्र पेशाब घर के रूप में ही हो रहा है। करीब पांच लाख रुपए खर्च होने के बाद भी यहां पर हाथ धोने की सुविधा नहीं है। जल कनेक्शन की कोई व्यवस्था नहीं है। बताया जा रहा है कि कई महीनों से सुलभ शौचालय की न तो कोई धुलाई की गई है और न ही साफ सफाई का कोई इंतजाम दिखाई दे रहा है। सुलभ शौचालय में शराब की बोतलें रखी हुई हैं, इससे भी सहजता से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां पर साफ सफाई का कितना ख्याल रखा जाता है।

पेशाब घर के तल में गुटके के खाली पाउच पड़े हुए हैं और लोगों की पीक से आधे से ज्यादा लाल हो गया है। यहां पर लगी टाईल्स उखड़ रही है। अंदर लाइट का कोई इंतजाम नहीं है। पृथ्वीराज सर्किल से लेकर तेली दरवाजा तक अन्य और दूसरा कोई सुलभ शौचालय नहीं है जनप्रतिनिधियों की भी इसमें कोई रुचि दिखाई नहीं दे रही है।

इसी प्रकार पृथ्वीराज सर्किल पर भी बने पेशाब घर भी साफ सफाई के अभाव में सड़ रहा है। इनके ऊपर रखी पानी की टंकी आज तक कभी भरी नहीं गई है केवल दिखाने के लिए रख दी गई है। तेली दरवाजा रोड के अंतिम छोर पर

■ लोगों को नहीं मिल रही सुविधाएं, पानी और साफ-सफाई का अभाव

बने पेशाब घर के हाल तो सबसे ज्यादा खराब है। इसके ऊपर लटका बिजली का ट्रांसफार्मर से भी लोगों को डर बना रहता है। सराय स्कूल की पास से जाने वाले रास्ते पर बना पेशाब घर, पुरानी धान मंडी, पुरानी तहसील, सब्जी मंडी के नजदीक तमाम पेशाब घरों की स्थिति बदतर बनी हुई है। नेता प्रतिपक्ष अनिल कुमार गट्टानी का कहना है कि वाकई में यह तो एक बहुत बड़ी गंभीर समस्या है, बाहर से आने वाली महिलाओं के लिए सुविधा समुचित नहीं है। जिम्मेदार विभाग के लिए यह शर्मसार विषय है कि वे अपनी जिम्मेदारी ढंग से नहीं निभा पा रहे हैं। अनेक दफा हमारी ओर से इसके लिए ध्यान भी आकर्षित करवाया जा चुका है, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

सांभर के पांच बत्ती चौराहे पर बने सुलभ शौचालय में जमा गंदगी व रखी शराब की बोतलें।

राशिफल मंगलवार 19 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, स्वाती नक्षत्र दिन 1:48 तक, वैधृति योग रात्रि 3:57 तक, विष्टि करण दिन 1:44 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 1:48 तक है। कुमार योग दिन 1:48 से आरम्भ होगा। आज भद्रा दिन 1:44 तक रहेगी। आज महागणपति चतुरथी, अगारक चतुरथी, वैधृति पूण्य है। आज सौभाग्य चतुरथी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:19 से 10:50 तक, लाभ-अमृत 10:50 से 1:51 तक, शुभ 3:22 से 4:53 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:24

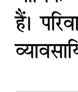

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

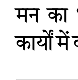

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

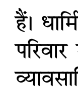

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

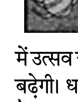

कर्क

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक आयोजन में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

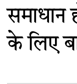

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

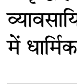

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

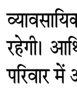

तुला

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

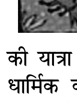

वृश्चिक

धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

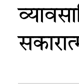

धनु

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

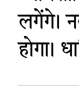

मकर

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

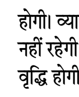

कुंभ

नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 318 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 19 सितम्बर, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ना तो शार्क, ना बैराकूडा और ना ही टूना फिश, इनमें से कोई भी समुद्र की सबसे खतरनाक प्रजाति नहीं है। समुद्र के सबसे अधिक प्राणघातक जंतु हैं ''सी हॉर्स।'' आश्चर्यजनक रुप से सी हॉर्स बहुत अच्छे शिकारी होते हैं। इनकी हरकतों को देखकर तो लगता है मानो ये बेहद मासूम और सीधे सादे हैं, इनसे कोई हानि नहीं हो सकती। जब ये तैरते हैं तो लगता है मानो कोई ''मूवमैंट'' ही नहीं कर रहे, पानी के प्रवाह के साथ बहते या उतराते नज़र आते हैं। पर इनकी यही धीमी चाल इनके बहुत काम आती है। चुपचाप अपने शिकार तक पहुँच जाते हैं और आसानी से उसे दबोच लेते हैं, शिकार को खतरे का एहसास तक नहीं हो पाता। समुद्र के एक और नन्हें जीव ''कोप पॉड्स'' बहुत तेज गति से तैरते हैं और परभक्षियों से बच निकलते हैं पर सी हॉर्स से बचना नामूमकिन होता है क्योंकि ये इतनी धीरे-धीरे मूव करते हैं कि पानी में कोई हलचल तक नहीं होती। सी हॉर्स एकदम निकट पहुंच कर अचानक अपना सिर झटक कर कोपपॉड्स को मुँह में दबोच लेते हैं। सी हॉर्स की यह टैक्नीक 90 प्रतिशत बार सफल होती है, इसी लिए ये समुद्र के सबसे खतरनाक परभक्षियों में से एक माने जाते हैं।

कांग्रेस का चतुर दांव, संसद के दोनों सदनों में महिला आरक्षण बिल पेश करने की मांग की

अब अगर केन्द्र सरकार बिल पेश करती है तो, श्रेय कांग्रेस को मिलेगा। अगर केन्द्र सरकार बिल पेश नहीं करती है तो कांग्रेस भाजपा को कटघरे में खड़ा कर सकती है

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा में कांग्रेस ग्रुप के नेता अधीर रंजन चौधरी ने सोमवार को अपने -अपने सदनों में महिला आरक्षण विधेयक लाने के लिये दबाव बनाया। इनकी नेता सोनिया गांधी इस विधेयक को लाने के लिये लोकसभा में कई बार दबाव बना चुकी हैं।

यह विधेयक राज्यसभा ने पारित कर दिया था लेकिन पिछले वर्षों में इसे लोकसभा में नहीं लाया गया। कांग्रेस ने कहा, ''हम देश की जनता की तरफ से माँग करते हैं कि यह विधेयक सोमवार से शुरु हुये इस विशेष सत्र में लाया जाये।''

- **गौरतलब है कि, महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा में पारित हो चुका, पर लोकसभा में अभी तक पेश नहीं हुआ है।**
- **जब कांग्रेस के नेतृत्व वाला यू.पी.ए. गठबंधन सत्तारूढ़ था तब पहली बार महिला आरक्षण विधेयक लाया गया था।**
- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने महिला आरक्षण विधेयक पेश करने की मांग की।**
- **संसद के विशेष सत्र के एजेंडा को लेकर कई अटकलें चल रही थीं, इनमें से एक यह भी थी कि, विपक्ष को मात देने और महिला मतदाताओं की सहानुभूति हासिल करने के लिए भाजपा की केन्द्र सरकार महिला आरक्षण विधेयक ला सकती है।**

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु के नेतृत्व में अपनाई गई विभिन्न नीतियों का जिक्र किया तथा कहा कि, सत्तारुढ़ भाजपा ''बड़ी कुर्बानी एवं कठिनाई के बाद अर्जित किये गये संवैधानिक मूल्यों'' को नष्ट करने पर तुली हुई है। उन्होंने सत्तारुढ़ दल से कहा कि वह अपना ध्यान देश की हालत को सुधारने, सहानुभूति दिखाने तथा रोजगार की संभावनाएं पैदा करने के महत्व पर दे। उन्होंने अपने राज्यसभा सम्बोधन में केन्द्र और भाजपा पर जमकर प्रहार किये।

खड़गे ने कहा, नेहरु का मानना था कि, सशक्त विपक्ष के न होने का मतलब है- कि प्रमाली में महत्वपूर्ण कमियाँ हैं। उन्होंने अपने पहले मंत्रिमंडल में कांग्रेस से बाहर के पांच नेता शामिल किये थे, और एक यह मोदी सरकार है, जो प्रवर्तन निदेशालय तथा सी.बी.आई. के जरिये विपक्ष को कमजोर करने में लगी हुई है।

अधीर रंजन चौधरी ने भी नेहरु के शासनकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने संसद और सरकार के

(शेष पृष्ठ 4 पर)

‘भाजपा सनातन धर्म का मुद्दा मूल मसलों से ध्यान हटाने के लिए उछाल रही है’

राहुल ने यह कहते हुए नसीहत दी कि, कांग्रेस को भाजपा की इस चाल में नहीं फंसना है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। नवगठित कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यु.सी.) की हैदराबाद में हुई पहली मीटिंग 17 सितम्बर को समाप्त हो गई। सी.डब्ल्यु.सी. ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के ''तानाशाही शासन'' को उखाड़ फेंकने के लिये एकजुट हो जायें तथा देश में एक वैकल्पिक सरकार के लिये पूरी मेहनत से काम करें।

- **भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडा का जवाब देने के प्रयास में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जात आधारित जनगणना करवाने की मांग उठाई।**
- **सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में जिन 5 राज्यों में चुनाव होने हैं, उनकी चुनाव तैयारी पर भी फोकस किया गया।**

16 सितम्बर को शुरु हुई इस मीटिंग में दो दिन तक देश की मौजूदा स्थिति और तैयारियों का जायजा लेते हुए वैचारिक एवं चुनावी मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। सी.डब्ल्यु.सी. ने पाँच राज्यों में जल्दी ही होने वाले विधानसभा चुनावों तथा लोकसभा चुनावों के लिये संगठन की तैयारी तथा तत्परता का जायजा लिया।

जहाँ देश की इस सबसे पुरानी पार्टी ने ''इंडियन नेशनल डवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (आई.एन.डी.आई.ए- इंडिया) के ''निरंतर एकीकरण'' एवं दृढ़ीकरण का स्वागत किया तथा इसे ''सैद्धांतिक एवं चुनावी सफलता'' में तब्दील करने का संकल्प लिया। वहीं, सी.डब्ल्यु.सी. ने इस बात को रेखांकित भी किया कि विपक्षी गठबंधन से प्रधानमंत्री एवं भाजपा घबरा गये हैं।

बैठक में पारित प्रस्ताव में साफ तौर पर कहा गया, ''सी.डब्ल्यु.सी. ''इंडिया'' को सैद्धांतिक एवं चुनावी सफलता का रुप देने के कांग्रेस पार्टी के संकल्प को दोहराती है ताकि देश विभाजक एवं ध्रुवीकृत होती जा रही राजनीति से मुक्त हो सके, सामाजिक निष्पक्षता एवं न्याय मजबूत हों तथा जनता को एक ऐसी केन्द्र सरकार मिले, जो जिम्मेदार, सहानुभूतिपूर्ण, संवेदनशील तथा जवाबदेह हो।''

कांग्रेस ने बहुत बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुये ''सनातन धर्म'' सम्बंधी बहस से स्वयं को अलग रखने का निर्णय लिया तथा यह स्पष्ट कर दिया कि वह इस विवाद में नहीं पड़ेगी। कांग्रेस नेतृत्व ने यह जानते हुए इस बहस से अलग रहने का निर्णय लिया है कि, पी.एम. मोदी सहित आर.एस.एस. तथा सत्तारुढ़ पार्टी एवं उसका शीर्ष नेतृत्व, पूरी तरह चाहते हैं कि कांग्रेस उनके इस जाल में फंस जाये तथा फिर सत्तारुढ़ भाजपा उसका चुनावी फायदा ले सके।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मीटिंग में शामिल प्रतिनिधियों से कहा कि, यह मुद्दा जनता के सामने मौजूद असली मुद्दों से ध्यान भटकाने वाला है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय

(शेष पृष्ठ 4 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिज्म
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

अडानी केस में नई टीम के लिए याचिका

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट में एक नया हस्तक्षेप आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसमें निवेदन किया गया है कि, हिंडनबर्ग रिपोर्ट से संबंधित मामले में ऐसी नई विशेषज्ञ समिति गठित की जाए जिसमें बेदाग ईमानदारी वाले और अडानी मामले में हितों का कोई टकराव नहीं होने वाले व्यक्तियों को शामिल किया जाए।

- **सुप्रीम कोर्ट में याचिका कर्ता अनामिका जायसवाल ने मांग की है कि, मौजूदा कमेटी के कई सदस्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अडानी से लाभ प्राप्त कर रहे हैं, इसलिए नई एक्सपर्ट टीम गठित की जाए।**

यह आवेदन एक याचिकाकर्ता अनामिका जायसवाल ने पेश किया है।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

केरल और बंगाल में सीट शेयरिंग नहीं करेगी माकपा

13 सितम्बर को हुई इंडिया गठबंधन की समन्वय व प्रचार समिति की बैठक में माकपा अनुपस्थित थी

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। सी.पी.एम. (माकपा) केरल एवं पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन के अन्य पार्टनरों के साथ सीट -शेयरिंग नहीं करेगी।

माना जाता है कि, सप्ताहान्त में हुई पार्टी पोलित ब्यूरो की मीटिंग में इस आशय का निर्णय लिया गया है। लेकिन इस निर्णय से, वाम पंथियों द्वारा अन्य राज्यों, जैसे बिहार एवं उत्तर प्रदेश में, सीट -शेयरिंग व्यवस्था में शामिल होने की संभावना खत्म नहीं होती। बिहार में, वामपंथी गठबंधन के अन्य घटकदलों के साथ, सी.पी.एम. पहले से ही ''महागठबंधन'' का हिस्सा है।

इंडिया गठबंधन की समन्वय एवं प्रचार समिति की 13 सितम्बर को हुई मीटिंग में सी.पी.एम. का प्रतिनिधि उपस्थित नहीं था क्योंकि पार्टी ने इस कमेटी के लिये अपना कोई सदस्य नामजद नहीं किया था। कमेटी की इस मीटिंग में सी.पी.एम. की सहभागिता न होने से इंडिया गठबंधन के अन्य घटकदल, खासतौर से कांग्रेस, शर्मिन्दगी से बच गये थे। इंडिया ब्लॉक की तीसरी मीटिंग में, टी.एम.सी. प्रमुख तथा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट कर दिया था कि, वे 2024 के लोक चुनावों के लिये पश्चिमी बंगाल में कुछ सीटें छोड़ने के लिये तैयार हैं लेकिन सी.पी.एम. को इसमें समायोजित नहीं किया जायेगा।

- **माकपा के इस रूख ने कांग्रेस को दुविधा से बचा लिया है, क्योंकि प. बंगाल में तृणमूल नेता ममता बनर्जी कांग्रेस को कुछ सीटें देने के लिए मान गईं थीं, पर वाम मोर्चा के लिए उन्होंने साफ इंकार कर दिया था।**
- **दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी सीट शेयरिंग करना नहीं चाहती है।**
- **सम्पूर्ण एकता नहीं हो पाने से इण्डिया गठबंधन की भाजपा के खिलाफ एक ही प्रत्याशी खड़ा करने की नीति प्रभावित होगी।**

सम्पूर्ण एकता नहीं हो पाने के कारण, भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन के ''वन-टु-वन'' चुनावी लड़ाई के विचार पर पश्चिम बंगाल में कुछ हद तक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता तथा पूरी एकजुटता खतरे में पड़ सकती है, वहीं केरल में इसका कोई चुनावी असर नहीं होगा क्योंकि वहाँ भाजपा की

(शेष पृष्ठ 4 पर)

इस वर्ष डायरैक्ट टैक्स कलैक्शन 23.51 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली 18 सितंबर (वार्ता) चालू वित्त वर्ष में 16 सितंबर तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 23.51 प्रतिशत बढ़कर 865117 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह राशि 700416 करोड़ रुपये की तुलना में 23.51 प्रतिशत अधिक है।

- **चालू वित्त वर्ष में 16 सितंबर तक डायरैक्ट टैक्स कलैक्शन 8,65117 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह राशि 7,00416 करोड़ रुपये की तुलना में 23.51 प्रतिशत अधिक है।**

आयकर विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 8,65,117 करोड़ रुपये में कारपोरेट कर (सी.आई.टी.) 4,16,217 करोड़ रुपये

(शेष पृष्ठ 4 पर)

अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडू में भाजपा से गठबंधन तोड़ा

अन्नाद्रमुक नेता ने कहा कि, उनकी पार्टी एन.डी.ए. को छोड़ रही है, क्योंकि, भाजपा की तमिलनाडू इकाई के प्रमुख अन्नामलाई हमारे नेताओं के खिलाफ अनर्गल बातें करते हैं

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। केन्द्र की सत्तारूढ़ भाजपा तमिलनाडू में सहयोगी संकट का सामना कर रही है, क्योंकि उसके सहयोगी दल अन्नाद्रमुक ने घोषणा की है कि, भाजपा के साथ उसका गठबंधन नहीं है और वो एन.डी.ए. की सदस्य नहीं है।

भाजपा को तगड़ा झटका देते हुए अन्नाद्रमुक नेता डी. जयकुमार ने चेन्नई में घोषणा की कि, पार्टी एन.डी.ए. से बाहर है क्योंकि भाजपा के तमिलनाडू के प्रमुख के. अन्नामलाई अन्नाद्रमुक नेताओं के बारे में बकवास बातें करते हैं।

तमिलनाडू से लोकसभा में 39 सांसद जाते हैं, जिनमें से अभी 38 डी.एम.के. के हैं। अब भाजपा से अन्नाद्रमुक का अलग होना तमिलनाडू में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए अच्छी खबर है। तथापि, मणिपुर में गठबंधन सहयोगी के अलग होने के बाद भाजपा के लिए यह दूसरा झटका है।

जयकुमार ने कहा, ''भाजपा का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन नहीं है। हम गठबंधन का निर्णय चुनाव के दौरान ही लेंगे।'' उन्होंने कहा, उनकी पार्टी का यही रूख है। हालांकि भाजपा तो गठबंधन चाहती है लेकिन उसके नेता अन्नामलाई इसके खिलाफ लग रहे हैं।

जयकुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''हम लगातार अपने नेताओं की आलोचना स्वीकार नहीं कर सकते। अन्नामलाई पहले ही हमारी नेता जयललिता की आलोचना कर चुके हैं। उस समय हमने अन्नामलाई के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया था। उन्हें यह बंद कर देना चाहिए था। वे अन्ना, पेरियार और महासचिव की आलोचना कर रहे हैं, जिसे कोई कार्यकर्ता स्वीकार नहीं करेगा। कल हमें जनता के बीच जाकर काम करना है। इसलिए बिना किसी विकल्प के हमने यह घोषणा कर दी। इस निर्णय से हम पर कोई असर नहीं पड़ेगा और हमें अपनी जीत का भरोसा है।''

- **अन्नाद्रमुक नेता ने कहा, हम अपने नेताओं की आलोचना बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, वे जयललिता के खिलाफ भी बोल चुके हैं तथा अन्नादुरै और पेरियार के बारे में भी बुरा भला कहते रहते हैं।**
- **तमिलनाडू में कुल 39 लोकसभा सीटें हैं, इनमें से 38 अभी द्रमुक के पास हैं।**
- **भाजपा को हाल ही में यह दूसरा झटका लगा है, इससे पहले मणिपुर में भी एक पार्टी ने भाजपा का साथ छोड़ दिया है।**

पिछले कई महीनों से भाजपा की राज्य इकाई और अन्नाद्रमुक के बीच सब सही नहीं चल रहा था और कई नेता अन्नामलाई से नाराज़ हैं क्योंकि वो गठबंधन सहयोगी की कीमत पर खुद का प्रचार करना चाहते हैं।

जयकुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''क्या हमें अपने नेताओं की आलोचना बर्दाश्त करनी चाहिए? हम आपको क्यों लादे रहें? भाजपा यहां कदम नहीं रख सकती। आपका वोट बैंक सब जानते हैं। आपको यहां सब हमारी वजह से जानते हैं।''

जब उनसे यह पूछा गया कि, क्या यह उनकी व्यक्तिगत राय है, तो जयकुमार ने कहा, ''क्या मैंने कभी आपसे उस क्षमता में बात की है? मैं वही कहता हूँ जो पार्टी तय करती है।''

अब अन्नामलाई उन अन्नादुराई की आलोचना कर रहे हैं जिन्होंने 1949 में डी.एम.के. की स्थापना की और 1967 में तमिलनाडू में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनाई। सन्1972 में अन्नाद्रमुक की स्थापना करने वाले एम.जी.आर. भी अन्नादुराई की बहुत प्रशंसा करते थे।

जयकुमार ने कहा, ''हमारी पार्टी अन्नादुराई के नाम पर है। स्वयं को आगे बढ़ाने के लिए वे (अन्नामलाई) पेरियार को नीचा दिखाते हैं और निंदा सुनने के बाद भी वो टस से मस नहीं हुए। यह सब गठबंधन के धर्म के विरूद्ध है, जिसे अन्नाद्रमुक के कार्यकर्ता स्वीकार नहीं करेंगे। अन्नामलाई नेता रहने के लायक नहीं हैं और खुद को बढ़ाने के ही इच्छुक हैं। आपको पेरियार, ई.पी.एस. (पलानीस्वामी), अम्मा और एम.जी.आर. के बारे में बोलने का क्या हक है। अन्नाद्रमुक कार्यकर्ता इसे सहन नहीं करेंगे।''

(शेष पृष्ठ 4 पर)

पहली बार प. नेहरू की तारीफ की प्र.मंत्री मोदी ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितंबर। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा नेता हमेशा भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के आलोचक रहे हैं, लेकिन सोमवार को पहली बार नेहरू की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका ''ट्रिस्ट विद डैस्टिनी'' भाषण सांसदों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।

- **मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री प. नेहरू के आज़ादी के अवसर पर दिए गए भाषण ''ट्रिस्ट विद डैस्टिनी'' का उल्लेख किया और कहा उनके भाषण की गूंज आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।**

पुराने संसद भवन में अपने अंतिम

(शेष पृष्ठ 4 पर)

मेरा मानना है कि ऋषभ ने दुनिया भर के विकेटकीपर बल्लेबाजों को अपनी तरह खेलने के लिए प्रेरित किया। यह रोमांचक है कि ऋषभ जैसे युवा खिलाड़ी में इतना प्रभाव छोड़ा। अन्य खिलाड़ियों ने उनका अनुकरण किया और उनकी तरह सकारात्मक रवैये के साथ खेलना शुरू किया।

एडम गिलक्रिस्ट, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, ऋषभ पंत के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **टिम साउदी**

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा है कि तेज गेंदबाज टिम साउदी को भारत में अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का पूरा मौका दिया जायेगा। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे के दौरान एक कैच लपकते समय साउदी के दाहिने अंगूठे की हड्डी टूट गई थी। स्टीड ने कहा कि विशेषज्ञों से राय लेकर उनके बारे में फैसला लिया जायेगा। उन्होंने कहा ,'' तब तक हम विश्व कप को लेकर फैसला नहीं ले सकते। हमें समय सीमा को समझना होगा और जानकारी मिलने के बाद ही हम कोई फैसला लेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एकमात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी, 1971 को एलन शेफर्ड नामक अंतरिक्ष यात्री ने चन्द्रमा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

विश्व कप से पहले शीर्ष वनडे टीम रैंकिंग की होड़ हुई तेज

दुबई, 18 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष क्रिकेट विश्व कप की शुरुआत से पहले नंबर एक वनडे टीम बनने की होड़ अगले कुछ दिनों में तेजी आयेगी। एशिया कप हालांकि समाप्त हो गया है। पाकिस्तान एशिया कप 2023 में जल्दी बाहर होने और फाइनल में श्रीलंका पर भारत की प्रचंड जीत के बावजूद नंबर 1 स्थान पर कायम है। दक्षिण अफ्रीका से सीरीज हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने भी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम श्रृंखला में 2-0 से आगे थी, इससे पहले मेजबान टीम ने जबरदस्त वापसी की और लगातार तीन मैच जीतकर रविवार को श्रृंखला जीत ली। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि फाइनल से पहले बंगलादेश से हार से भारत की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने की संभावना कम हुई और यहां तक कि श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ छह ओवर में मिली रिकॉर्ड-तोड़ जीत भी भारतीय टीम को शीर्ष पर नहीं पहुंचा सकी।

विश्व कप जीत सकता है भारत : कपिल देव

नयी दिल्ली, 18 सितंबर। भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि भारतीय टीम अपनी धरती पर वनडे विश्व कप जीत सकती है लेकिन उन्होंने कहा कि प्रबल दावेदार का ठप्पा लगाना सही नहीं है क्योंकि बहुत कुछ तकदीर पर निर्भर करेगा। कपिल ने कहा ,'' अगर हम शीर्ष चार में आ गए तो यह महत्वपूर्ण होगा। इसके बाद से किस्मत की बात है।'' उन्होंने जम्मू तवी गोल्फ कोर्स पर चार से सात अक्टूबर तक होने वाले जे एंड के ओपन के तीसरे सत्र के लांच से इतर कहा ,' हम अभी नहीं कह सकते कि हम प्रबल दावेदार है। हमारी टीम अच्छी है। दिल कुछ कहता है और दिमाग कहता है कि अभी काफी मेहनत करनी होगी। मैं अपनी टीम को जानता हूं लेकिन दूसरी टीमों को नहीं जानता। ऐसे में जवाब देना गलत होगा।''

रोहित की उम्मीद, विश्वकप के लिये उपलब्ध होंगे अक्षर व श्रेयस

कोलंबो, 18 सितंबर। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को उम्मीद है कि क्रिकेट विश्व कप 2023 से पहले अक्षर पटेल और श्रेयस अय्यर चोट की समस्या से उबर कर पूरी तरह स्वस्थ हो जायेंगे। रोहित शर्मा ने कहा कि उन्हे भरोसा है कि टूर्नामेंट से पहले टीम पूरी तरह स्वस्थ होगी, अक्षर पटेल और श्रेयस अय्यर आठ अक्टूबर के शुरुआती मुकाबले से पहले पूरी तरह फिट हो जायेंगे। कलाई की चोट और बाएं क्वाड्रिसेप में मामूली चोट के कारण अक्षर एशिया कप के फाइनल के लिये उपलब्ध नहीं हो सके थे।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान

रोहित-विराट को आराम, केएल राहुल कप्तान

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। वर्ल्ड कप से पहले अब भारतीय टीम के पास सिर्फ तीन वनडे मुकाबले ही बचे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 सितंबर से शुरू होने वाली इसी घरेलू सीरीज के लिए आज भारतीय दल की घोषणा कर दी गई। कप्तान रोहित शर्मा के साथ सिलेक्शन कमेटी के हेड अजीत अगरकर ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भारतीय टीम का ऐलान किया। शुरुआती दो वनडे के लिए अलग टीम चुनी गई है, जिसमें कई सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया गया है और कप्तानी केएल राहुल करेंगे जबकि आखिरी वनडे में सीनियर प्लेयर्स की वापसी हुई है।

पहला वनडे
22 सितंबर : मोहाली

दूसरा वनडे
24 सितंबर : इंदौर

तीसरा वनडे
27 सितंबर : राजकोट

आखिरी वनडे के लिए भारत का स्क्वॉड: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, (उप-कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज

ऑस्ट्रेलिया : इस बीच, ऑस्ट्रेलिया ने इस वनडे सीरीज के लिए पहले ही अपनी टीम की घोषणा कर दी है। पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की टीम में वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलिया की टीम कुछ ऐसी है: पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वार्नर, स्टीव स्मिथ, मैट शॉर्ट, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, मिचेल मार्श, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, सीन एबॉट, तनवीर सांघा, मिशेल स्टार्क और एडम जम्पा

एशियाई खेलों में पहले स्वर्ण की तलाश में उतरेगी भारतीय बैडमिंटन टीम

नई दिल्ली 18 सितंबर। चीन के हांगझाऊ में 23 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेल 2023 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की कोशिश भारत को बैडमिंटन में पहला स्वर्ण पदक दिलाने की होगी। एशियाई खेलों के 19वें संस्करण में बैडमिंटन प्रतियोगिताएं 28 सितंबर से 7 अक्टूबर तक बिंजियांग जिम्नेजियम में आयोजित की जाएंगी जिसकी शुरुआत टीम इवेंट के साथ होगी। एकल और युगल स्पर्धाएं दो अक्टूबर से शुरू होकर सात अक्टूबर तक चलेंगी। महिला एकल और टीम स्पर्धा में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु भारत की अगुवाई करेंगी। सिंधु को साल 2018 के एशियन गेम्स में ताई ज़ु यिंग से हारकर रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा था। ऐसे में इस बार वह अपने प्रदर्शन को और भी बेहतर करना चाहेंगी।

बिना अभ्यास और पर्याप्त आराम के मजबूत चीन से भिड़ेगा भारत

हांगझोउ, 18 सितंबर। अंतिम क्षणों में टीम के चयन के कारण भारतीय फुटबॉल टीम अभ्यास सत्र और पर्याप्त विश्राम के बिना मंगलवार को यहां एशियाई खेलों के ग्रुप मैच में मजबूत चीन का सामना करेगी। इंडियन सुपर लीग की कुछ टीमों ने अपने खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में भाग लेने की मंजूरी नहीं दी जिसके कारण भारत ने शुक्रवार को आनन-फानन में अंतिम टीम का चयन किया था। टीम रविवार को ही चीन के लिए रवाना हुई जिससे खिलाड़ियों को अभ्यास सत्र में एक साथ मिलकर खेलने का मौका नहीं मिला।

यही नहीं 22 सदस्यीय टीम के दो खिलाड़ी डिफेंडर कोन्सम चिंगलेनसाना सिंह और लालचुंगनुंगा बाद में टीम से जुड़ेंगे क्योंकि उनके वीजा तैयार नहीं थे। यह दोनों चीन के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे जो कि भारत के लिए बड़ा झटका है। इसके अलावा भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने रविवार को कहा कि अनुभवी डिफेंडर संदेश झिंगन और करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री पहले मैच में नहीं खेलेंगे क्योंकि टीम उन्हें अगले दो मैचों में उतारना चाहती है। स्टिमक का फैसला समझा जा सकता है क्योंकि भारत के पास बांग्लादेश (21 सितंबर) और म्यांमार (24 सितंबर) के खिलाफ जीत के अच्छे मौके रहेंगे। चीन की टीम काफी मजबूत है और भारतीय टीम पर्याप्त अभ्यास और विश्राम के बिना इस मैच में उतरेगी। इन सब परिस्थितियों को देखते हुए मुख्य कोच को अपनी रणनीति तैयार करनी पड़ी है।

इतने लंबे समय तक डेविस कप खेलने पर गर्व है : बोपन्ना

लखनऊ, 18 सितंबर। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने कहा कि लंबे समय तक डेविस कप जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बने रहने पर उन्हे गर्व का अहसास होता है। बोपन्ना ने रविवार को विश्व ग्रुप-2 मुकाबले में मोरक्को पर जीत हासिल करने के बाद डेविस कप टूर्नामेंट को अलविदा कह दिया। यह युगल मुकाबला गोमती नगर स्थित विजयंत खंड मिनी स्टेडियम में खेला गया जिसमें बोपन्ना और युकी भांबरी ने इलियट बेनचेट्रिट-यूनुस लालामी लारौसी की जोड़ी को 6-2, 6-1 से हराया। बोपन्ना के शक्तिशाली फोरहैंड का विपरीत खेमे के पास कोई जवाब नहीं था।

43 वर्षीय खिलाड़ी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा डेविस कप छोड़ने का दुख है, लेकिन साथ ही इतने लंबे समय तक खेलने पर गर्व भी है। मैं समर्थन के लिए पूरे देश, सभी साथियों और कप्तान को धन्यवाद देता हूं जिनके नेतृत्व में मैंने खेला है। यह एक शानदार यात्रा थी जिसमें सीखने का अनुभव मिला। बोपन्ना हालांकि इस बात से खुश हैं कि अब उन्हें अपने परिवार के साथ बिताने का समय मिलेगा। मुकाबले के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, हमारे लिए विश्व ग्रुप-1 प्लेऑफ़ में जाना बेहद महत्वपूर्ण था जहां भारत को होना चाहिए और अब इसके लिये तैयारी की जरूरत है।

भारत के गैर-खिलाड़ी कप्तान और भारतीय ओलंपिक संघ की कार्यकारी समिति के सदस्य रोहित राजपाल ने कहा बोपन्ना की कमी खलेगी। जब आपके पास रोहन बोपन्ना जैसा महान व्यक्तित्व वाला खिलाड़ी हो, तो हमेशा इस बात को लेकर झगड़ा होता है कि कौन उसके साथ खेलना चाहता है। वे सभी उसके साथ युगल खेलना चाहते हैं। पूरी टीम उनके डेविस कप से सन्यास लेने के फैसले से सदमे में है। लेकिन निश्चित रूप से, उन्होंने युकी (भाम्बरी) और राम (रामनाथन रामकुमार) को महत्वपूर्ण टिप्स दी हैं। हम उनका मार्गदर्शन लेते रहेंगे और उससे लाभान्वित होंगे।

राजपाल का मानना है कि भारतीय युगल खिलाड़ी हमेशा अपने पीछे एक विरासत छोड़ते हैं, लेकिन एकल पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होने कहा हम एक कठिन टीम हैं और हमने डेविस कप में बहुत दिल लगाया है। जब हम खेल रहे होते हैं तो हमें हराना एक कठिन काम होता है। साथ ही, यदि हमें शीर्ष टीमों को हराना है तो निश्चित रूप से हमें अपने खिलाड़ियों से बहुत अच्छा एकल प्रदर्शन करने की आवश्यकता है, क्योंकि एकल के लिए चार अंक हैं। हमें टीम में अपने एकल मुकाबलो के लिये ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

श्रीलंका ने एशियाई खेलों के लिये की क्रिकेट टीम की घोषणा

कोलंबो, 18 सितंबर। श्रीलंका ने हांगझाऊ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होने वाले 19वें एशियाई खेलों के लिए अपनी पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों की घोषणा कर दी है। चमारी अथापथु महिला टीम का नेतृत्व करेंगी जबकि पुरुष टीम का नेतृत्व सहान अराचिगे करेंगे, जिन्होंने 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है। मध्य क्रम के बल्लेबाज एशेन बंडारा, जिनके नाम 10 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच हैं, पुरुष टीम में सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं।

आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नुवान तुषारा और नुवानिदु फर्नांडो पुरुष टीम में अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले अन्य खिलाड़ी हैं। अथापत्थु के नेतृत्व में महिला टीम ने इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड पर किसी भी प्रारूप में अपनी पहली श्रृंखला जीत दर्ज करके इतिहास रचा था।

पुरुष टीम: लसिथ क्रूसपुले, शेवोन डेनियल, एशेन बंडारा, सहान अराचिगे (कप्तान), अहान विक्रमसिंघे, लाहिरू उदारा (विकेटकीपर), रविन्दु फर्नांडो, रनिता लियानाराच्ची, नुवानीदु फर्नांडो, सचिथा जयतिलका, विजयकांत वियास्कंथ, निमेश विमुक्ति, लाहिरू समराकून, नुवान तुषारा , इसिथा विजेसुंडेरा।

महिला टीम: चमारी अथापथु (कप्तान), हर्षिता समरविक्रमा, विशमी गुणरत्ने, नीलाक्षी डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, अनुष्का संजीवनी, ओशादी रणसिंघे, सुगंदिका कुमारी, इनोका राणावीरा, उदेशिका प्रबोधनी, हासिनी परेरा, कौशिनी नुथ्यांगना, अचिनी कुलसूर्या, इनोशी फर्नांडो।

प्रशंसकों का जुनून विश्व कप जीतने के इरादे को करता है मजबूत : कोहली

कोलंबो 18 सितंबर। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने कहा कि देश में क्रिकेट के प्रति जुनून और समर्थन एक बार फिर विश्व कप ट्राफी घर लाने के भारतीय टीम के इरादे को मजबूती प्रदान करता है।

क्रिकेट विश्व कप टूर्नामेंट पांच अक्टूबर से 19 नवंबर के बीच भारत में खेला जायेगा। कोहली ने कहा, हमारे प्रशंसकों का जुनून और अटूट समर्थन ही विश्व कप जीतने के हमारे दृढ़ संकल्प को बढ़ावा देता है। पिछले विश्व कप जीत की यादें, विशेष रूप से 2011 की जीत, हमारे दिलों में अंकित हैं, और हम अपने प्रशंसकों के लिए नई यादें बनाना चाहते हैं। मैं इस अविश्वसनीय अभियान का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। हम अपने प्रशंसकों के सपनों को साकार करने के लिए अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हैं। हरफनमौला रवींद्र जड़ेजा ने कहा, एक क्रिकेटर के रूप में यह जानने से अधिक प्रेरणादायक कुछ भी नहीं है कि लाखों प्रशंसक आपके पीछे खड़े हैं, आपकी सफलता के लिए जयकार कर रहे हैं। यह अभियान टीम इंडिया को जीतते देखने के लिए हमारे प्रशंसकों के गहरे जुनून और जुनून को दर्शाता है। यह एक यात्रा है हम पूरे देश के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं, और हम मैदान पर अपने प्रदर्शन से अपने प्रशंसकों को गौरवान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सात ओवर बाद भी गेंदबाजी करना चाहते थे सिराज : रोहित

कोलंबो, 18 सितंबर। एशिया कप में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण से खासे संतुष्ट कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि श्रीलंका के छह विकेट झटकने से उत्साहित मोहम्मद सिराज लगातार सात ओवर फेंकने के बाद और गेंदबाजी करना चाहते थे मगर ट्रेनर की सलाह पर उनके स्पेल को सीमित करना पड़ा।

एशिया कप फाइनल में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद रोहत ने अपने तेज गेंदबाजों की जमकर तारीफ की। सिराज रविवार अच्छे फॉर्म में थे और उन्होंने अपने कातिलाना गेंदबाज़ी से केवल 16 गेंदों में पांच विकेट लेकर श्रीलंका के शीर्ष क्रम के बालेबाज़ों को ध्वस्त कर दिया। रोहित शर्मा ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, उसने उस स्पैल में सात ओवर फेंके और मुझे ट्रेनर से संदेश मिला कि हमें उसे अब रोकना होगा। वह गेंदबाजी करने के लिए काफी बेताब था। उन्होंने सात ओवर फेंके, जो काफी है। सिराज की स्थिति त्रिवेन्द्रम में श्रीलंका के खिलाफ भी ऐसी ही थी और उन्होंने लगातार 8-9 ओवर फेंके थे। सिराज ने जिस तरह गेंदबाजी की वह देखना बहुत सुखद था।

सिराज के अलावा जसप्रित बुमरा ने शुरुआती ओवर में विकेट लेकर श्रीलंका को झटका दिया वहीं हार्दिक पंड्या, ने 14 गेंदों में तीन विकेट लेकर श्रीलंका की पारी को जल्दी समाप्त कर दिया। तेज गेंदबाजों की सराहना करते हुए रोहित ने कहा कि उन्हें तेज गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से काफी संतुष्टि मिली। उन्होंने कहा, जब मैं तेज गेंदबाजों को इस तरह का प्रदर्शन करते हुए देखता हूं तो मुझे बहुत संतुष्टि मिलती है। सभी कप्तान तेज गेंदबाजी पर बहुत गर्व करते हैं, और मैं भी अलग नहीं हूं। हमारे पास तेज गेंदबाजों का एक शानदार समूह है। उन सभी के पास अलग-अलग कौशल और विविधताएं हैं, कोई तेज गेंदबाजी कर सकता है, कोई गेंद को स्विंग करा सकता है, कोई अच्छा उछाल प्राप्त कर सकता है।

राजस्थान

जालोर में झमाझम बारिश से नदी-नाले उफान पर

सड़कों पर बहा पानी, जवाई नदी में हुई पानी की आवक

जालोर में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समक्ष निकासी नही होने से गंदा पानी बहने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जालोर/पाली, (कासं)। जालोर में गत दो दिन से मानूसन की सक्रियता से झमाझम बारिश होने से नदी नाले उफान पर नजर आये। लगातार हो रही बारिश के चलते जवाई बांध के गेट खोलने से जवाई नदी में पानी की आवक तेज गति से होने लगी है।

■ **इस वर्ष तीसरी बार जवाई नदी आने से लोगों के चेहरों पर खुशी देखी**

जालोर शहर में तेज बारिश के चलते शहर के तिलकद्वार, लाल पोल व बडी पोल से पानी पूरे वेग से बहता नजर आया। वही शहर के मुख्य मार्ग बागोडा रोड़ पर पानी की निकासी नही होने से पानी सड़क पर भर जाने से वाहन चालकों सहित आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वही निजी बस स्टेण्ड मार्ग तालाब में तब्दील नजर आया। तेज बारिश के बाद नगरपरिषद के ठेकेदारों की पोल खोल कर रख दी। कुछ समय पूर्व बनाई गई सड़कें कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं कई जगह क्षतिग्रस्त सड़कों पर गड्ढे होने पर पानी भर जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजपरजॉय तूफान व उसके बाद सावन माह में बारिश के बाद गत दो दिन से मानसून की बारिश के चलते नदी नाले ओवरफ्लो हो चुके है।

जालोर में झमाझम बारिश के तापमान में गिरावट देखी गई। वहीं जालोर शहर के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी जालोर कार्यालय के समक्ष नगरपरिषद की उदासीनता के चलते पानी की निकासी नही होने से गंदा पानी बहता नजर आया। बारिश से पानी भर जाने से शिक्षा अधिकारी कार्यालय जाना मुश्किल हो गया। ऐसे में जिला मुख्यालय पर ऐसे हालात होने से लोगो में रोष देखा गया।

वहीं लगातार बारिश होने से जवाई बांध के गेट खोलने से जवाई नदी तेज वेग के साथ बहती नजर आई। जालोर शहर के सांकरण रोड़ पुलिया व बिशनगढ रोड़ पुलिया पर जवाई नदी को देखने वालो की भीड़ नजर आई। इस वर्ष तीसरी बार जवाई नदी आने से लोगों के चेहरों पर खुशी देखी गई।

बेणेश्वर धाम की तीनों पुलिया से पानी उतरा

डूंगरपुर, (निसं)। जिले भर में लगातार बारिश को लेकर की जा रही मन्नतों के बाद आखिरकार सितम्बर माह के दूसरे पखवाडे में मेघों की महर बरसी और पिछले तीन दिनों से लगातार जिले भर में बारिश का दौर अपने पूरे यौवन पर है। और इसी के चलते अब सूखे पड़े बांधों, तालाबों एवं एनिकटों में पानी की आवक शुरू हो गई है। वही ट्यूबवेलों में गहराई तक चला गया पानी अब पुनः रिचार्ज होकर पूरे वेग के साथ आने लग गया है। जिले में सोमवार प्रातः समाप्त 24 घण्टों में सर्वाधिक वर्षा निठाऊवा में 8 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है। वही रविवार से टापू बना बेणेश्वर धाम के पुलियों से पानी उतरने लग गया। डूंगरपुर में सुबह के समय रिमझिम बारिश हुई। कुछ देर बारिश रुकी और फिर तेज बारिश हुई। इस तरह डूंगरपुर शहर से लेकर गांवों में कभी तेज, कभी हल्की और कभी रिमझिम बारिश का दौर चल रहा है। बारिश के चलते खेल खलिहान लबालब हो गए हैं। बांध, तालाबों में पानी की आवक होने लगी है। टापू में बदले बेणेश्वर धाम के तीनों पुलिया से भी पानी उतर गया है। 48 घंटे तक टापू रहने के बाद साबला, वालाई और बांसवाड़ा पुलिया का पानी उतर गया। पुलिया के बराबर पानी चल रहा है। जिससे धाम पर दर्शनार्थियों के आने जाने का दौर शुरू हो गया है। दूसरी ओर गुजरात के कडाना बांध का बैक वाटर भी स्थिर बना हुआ है। बारिश का दौर कमजोर होने के बाद पानी की आवक कम हुई।

बांढ नियंत्रण कक्ष के अनुसार डूंगरपुर में 16 एमएम, देवल में 30 एमएम, फलोज में 16 एमएम, कनबा में 15 एमएम, सागवाड़ा में 33 एमएम, ओबरी में 35 एमएम, गालियाकोट में 32 एमएम, धंबोला में 40 एमएम, बेंजा में 35 एमएम, चिखली में 43 एमएम, आसपुर में 49 एमएम, गणेशपुर में 48 एमएम, बनकोड़ा में 18 एमएम, साबला में 61 एमएम, गामड़ी अहाड़ा में 26 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

सड़क हादसे में एक की मौत

धौलपुर, (निसं)। बसेड़ी कस्बे में जगनेर बसेड़ी मार्ग पर जारगा गांव के समीप सोमवार सुबह एक अनियंत्रित वाहन ने दो बाइकों में टक्कर मार दी। जिससे एक बाइक पर सवार 23 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरी बाइक पर सवार दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए बसेड़ी सीएचसी में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बाइक पर सवार युवक की सड़क पर सिर फटने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण एकत्रित हो गए और घटना की सूचना पुलिस को दी। एसआई रमेश चंद ने बताया कि अनियंत्रित वाहन ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी। जिसमें बाइक पर सवार दो युवक मोनू पुत्र लहोरे निवासी पोखरपुरा और सचिन पुत्र चेतराम निवासी ज्ञाने का नगला उत्तरप्रदेश घायल हो गए। उसके बाद वाहन ने दूसरी बाइक को टक्कर मारी। जिससे बाइक पर सवार राजवीर सिंह पुत्र सोवरन सिंह गुर्जर उम्र 23 वर्ष निवासी खिड़ोंरा बसेड़ी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

जालोर-सांचौर जिलों में बारिश से बाजरा-मूंग फसल को नुकसान

दोनों जिलों में करोड़ों रुपये का नुकसान होने की संभावना

जालोर, (कासं)। इन बीते तीन दिनों में हुई इस बारिश से जालोर व सांचौर दोनों जिलों के किसानों की करीब करोड़ो रूपये की मूंग व बाजरा की फसल को नुकसान हुआ है। इस वर्ष हालांकि अन्य वर्षो की तुलना में मूंग की कम बुवाई हुई है, लेकिन अब फसल काटकर खेतों में पड़ी थी और बारिश हो जाने से दाने बर्बाद हो गए है।

■ **किसानों के अनुसार खेतों में खड़ी व पकी हुई फसल के करीब 70 फीसदी मूंग खराब हो गए हैं**

कृषि विभाग व राजस्व विभाग गिरदावरी की प्रक्रिया व नुकसान के आकलन में जुटे हुए है। लेकिन किसानों से मिली जानकारी के मुताबिक खेतों में खड़ी व पकी हुई फसल के करीब 70 फीसदी मूंग खराब हो गए हैं। इसे देखते हुए दोनों जिलों में करोड़ो रूपये का नुकसान होने की संभावना हैं। कृषि विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक जून में आये बिपरजॉय तूफान के कारण कई खेतों में पानी का भराव रहा था। विशेषकर जहां मूंग की अधिक बुवाई होती है, उस आहोर क्षेत्र के गांवों में अधिक पानी का भराव हो गया था, जिस कारण बुवाई का रकबा भी कम रहा। हर वर्ष जहां दोनों जिलों में करीब सवा लाख हैक्टेयर में मूंग की बुवाई की जाती है, उसकी तुलना में इस वर्ष केवल 85 हजार 500 हैक्टेयर में ही मूंग की बुवाई की जा सकी है। इस बुवाई से कृषि विभाग के अनुमान से करीब 76 हजार 950 मीट्रिक टन मूंग उत्पादन की संभावना थी, लेकिन इस बारिश से करीब 70 फीसदी मूंग खराब हो गए है। इससे अनुमानित दोनों जिलों में करीब 3 अरब रुपए का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। इस वर्ष दोनों जिलों में खरीफ में 5 लाख 85 हजार 678 हैक्टेयर क्षेत्र में सभी अलग अलग फसलों की बुवाई हुई थी, इसमें से अकेले बाजरा की फसल 3 लाख 25 हजार 143 हैक्टेयर में बोया गया, लेकिन इस बारिश में बाजरा को भी भारी नुकसान हुआ है। इस कारण किसान चिंता में डूबे हुए हैं। हालांकि इस बारिश से मूंगफली, ग्वार व अरण्डी जैसी फसलों को फायदा भी पहुंचा है, लेकिन खरीफ की सीजन में इनकी बुवाई का रकबा बिल्कुल कम रहता है। इस कारण अधिकांश किसानों को ज्यादा नुकसान हुआ है। इधर, कांग्रेस नेता सवाराम पटेल ने आहोर क्षेत्र में बेमौसम हुई बारिश से हुए नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम पत्र भेजा है। जिसमें बताया है कि सर्वे करवाकर व गिरदावरी करवाकर किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाये।

वही जानकारी में सामने आया है कि केंद्रीय दल भी सूखा व प्रभावित इलाकों का दौरा करने आने वाले है। हालांकि सूखाग्रस्त तो जिले का कोई भी इलाका रहा नहीं है, लेकिन जरूरत के समय बारिश नहीं होने से खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई और जो पककर तैयार हुई थी उन फसलों के दानों को बारिश ने बर्बाद कर दिया है। इस कारण किसानों को तो भारी नुकसान ही पहुंचा है।

लॉरेंस का गुर्गा बनकर दो लोगों से एक करोड़ की फिरौती मांगी

जोधपुर, (कासं)। शहर में एक बिल्डर को किसी शख्स ने लॉरेंस का गुर्गा बनकर 50 लाख की फिरौती मांगी है। फिरौती रकम नहीं दिए जाने पर जानमाल के साथ काम बंद कराने के लिए धमकाया है।

■ **शहर में एक बिल्डर तथा ज्वैलरी कारोबारी महिला को धमकाया**

जिस दिन बिल्डर को धमकाया गया उसी दिन यानी शाम को सात मिनट के अंतराल में ही ज्वैलरी कारोबारी महिला को भी 50 लाख की फिरौती रकम के लिए धमकाया गया। दोनों में वाटसअप कॉलिंग के साथ मैसेज भेजे गए। एक प्रकरण शास्त्रीनगर का रविवार को सामने आया तो दूसरा आज सोमवार को सामने आया है। इस बारे में रातानाडा पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

बीजेएस कॉलोनी, महामंदिर निवासी पृथ्वीसिंह पुत्र दयालसिंह ने रातानाडा थाने में मामला दर्ज कराया। इसमें बताया कि वह कंस्ट्रेक्शन का कार्य करता है। उसका एक कार्यालय रातानाडा में पुरानी लोको रोड दासपा हाउस के नजदीक जेपी बिल्ड होम नाम से आया है।

16 सितंबर की शाम 7.01 बजे किसी शख्स ने वाटसअप मैसेज के साथ कॉल किया। बदमाश ने खुद को लारेंस का गुर्गा बताया और कहा कि तुम बिल्डर बोल रहे हो। मैं लारेंस का गुर्गा बोल रहा हूं। 50 लाख रूपए दे देना अन्यथा काम बंद करवा दूंगा। पुलिस को मत बताना या पुलिस तक मत जाना। बिल्डर की रिपोर्ट पर रातानाडा पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ धमकाने का प्रकरण दर्ज किया है। बता दें कि शास्त्रीनगर सी सेक्टर निवासी सवाई सिंह जैन ने भी 17 सितंबर को पुलिस में केस दर्ज करवाया कि उसकी पत्नी प्लोर गोल्ड ज्वैलरी नाम से कारोबार करती है। उसके पास में भी 16 सितंबर की शाम 6.54 मिनट पर किसी शख्स ने लारेंस का गुर्गा बनकर जान की धमकी और 50 लाख की फिरौती मांगी थी। बार बार फोन और मैसेज आने पर पति पत्नी शास्त्रीनगर थाने पहुंचे और केस दर्ज करवाया। दोनों रंगदारी या अवैध वसूली के लिए किए गए कॉल महज सात मिनट के अंतराल में आए है। पुलिस अब नंबरों से बदमाश का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस की साइबर एक्सपर्ट टीमों जांच में जुटी है।

सांप के डसने से बालक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थानान्तर्गत माण्डवा नवाघरा में एक 9 वर्षीय बालक की सर्पदंश से मौत हो गई। मृतक की मां भूमिका पत्नी दिनेश परमार निवासी नवाघरा ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि रविवार की शाम को 9 वर्षीय पुत्र आयुष परमार अपने दादा कमलेश के पास सोया हुआ था। रात्रि को लगातार बारिश हो रही थी। सोमवार भोर में चार बजे बालक ने उसके पास पेट में दर्द होने की शिकायत की थी, जिस पर परिवार जन लेकर उसे लेकर चिकित्सालय पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसकी जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। जिस पर परिजनों ने उसके पूरे शरीर को बारीकी से देखा तो आयुष के कान पर सर्प के डसने का निशान था। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया। बालक आयुष नवाघरा स्कूल में कक्षा तीन में अध्ययनरत था।

टूरिस्ट वीजा पर आई बांग्लादेशी महिला को पूछताछ के बाद वापस भेजा

रावलामंडी, (निसं)। बांग्लादेश से टूरिस्ट वीजा पर भारत आई 30 वर्षीय हबीबा बी को पुलिस और इंटेलिजेंस सहित सभी प्रकार की पूछताछ के बाद आखिर रविवार को पुश बैक कर दिया है। थाने से विदाई के समय हबीबा बी भावुक हो गई। नम आंखों से अपने दोस्त रोशन सिंह राय सिख से बिछड़ते देख वह भावुक हो गई। हबीबा बी ने बताया कि वह अपने दोस्त रोशन सिंह के साथ रहना चाहती है लेकिन कानूनी अड़चन के चलते दो दोस्त दूर-दूर हो रहे हैं।

■ **बांग्लादेश से 15 दिन पहले दोस्त से मिलने आई थी महिला**

उसने बताया कि सोशल मीडिया पर करीब सात माह पहले रोशन सिंह के साथ दोस्ती हुई थी।

दोस्त से मिलने के लिए वह बांग्लादेश से टूरिस्ट वीजा पर 1 सितंबर को कोलकाता पहुंची और वहां से रेल से 3 सितंबर को बीकानेर पहुंची। बीकानेर में उसे लेने के लिए रोशन सिंह पहले से ही आया हुआ था। अपने दोस्त रोशन को अपने सामने देख हबीबा बी खुश हो गई । रोशन सिंह भी उसे अपने घर रावला थाना इलाका के गांव 13 डीओएल ले आया। 5 सितंबर की सुबह रावला पुलिस को जानकारी मिली कि बांग्लादेश से एक युवती 13 डीओएल में आई हुई है। पुलिस हबीबा बी सहित रोशन सिंह को अपने साथ ले आई। करीब 15 दिन भारत में ठहराव करने के बाद हबीबा बी को वापस उसके वतन भेज दिया है।

नौ लड़ी का हार पहन चांदी के सिंहासन पर विराजे गणेशजी

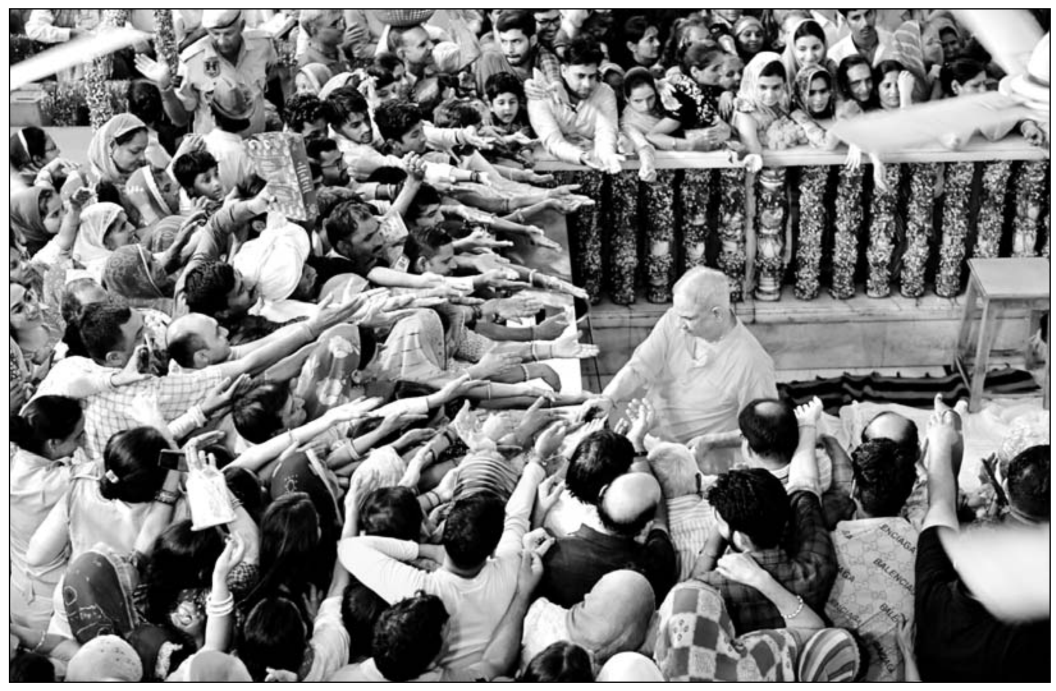

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में सोमवार को सिंजारा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने प्रथम पूज्य को मेहंदी लगाई। इसके बाद भक्तों को 3 हजार किलो मेहंदी प्रसाद के रूप में वितरित की गई। पांच स्थानों पर मेहंदी वितरण की व्यवस्था की गई। मेंहदी लेने के लिए लोग उमड़ पड़े। शाम को गणेशजी महाराज का विशेष श्रृंगार किया गया। गणेशजी महाराज को स्वर्ण मुकुट धारण कराया गया। यह मुकुट केवल गणेश चतुर्थी को ही धारण कराया जाता है। महंत परिवार के पारंपरिक श्रृंगार में नौ लड़ी का नोलखा हार का भाव था। इसमें मोती, सोना, पन्ना माणक के भाव स्वरूप दर्शाए गए हैं। इसके बनाने में करीब तीन माह लगे। सिंजारे पर भगवान को चांदी के सिंहासन पर विराजमान किया। विशेष पोशाक धारण कराई गई।

युवती की हत्यारे को आजीवन कारावास

जयपुर, (का.सं.)। एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत ने वर्ष 2016 में विद्याधर थाना इलाके में एकतरफा प्रेम के चलते युवती की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या करने वाले अभियुक्त जयंत सोढ़ानी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं अदालत ने अभियुक्त के पिता राजेश सोढानी को साक्ष्य मिटाने के जुर्म में तीन साल की कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने हर्षिता की धारदार हथियार से निर्दयता से हत्या कर उसके शव को शहीद पार्क सेक्टर-7 के पास एक खाली प्लॉट में पटक दिया। वहीं उसके पिता ने भी साक्ष्य मिटाने में उसका साथ दिया है। अभियुक्तों का यह कृत्य गंभीर है। ऐसे में उनके प्रति कोई सहानुभूति नहीं रखी जा सकती।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक उमाशंकर खंडेलवाल ने बताया कि 15 सितंबर 2016 को राकेश गुप्ता ने विद्याधर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बेटी हर्षिता कल शाम सात बजे साइबर कैफे जाने की बात कहकर गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी और उसका मोबाइल भी बंद आ रहा था। वे रात के पौने दस बजे हर्षिता की तलाश में गए तो साइबर कैफे की दुकान बंद मिली। वहीं बाद में उसकी एक्टिवा दाना पानी रेस्टोरेंट के पास मिली। जिससे संदेह हुआ कि उसकी बेटी के साथ कुछ गलत हुआ है। पड़ोस में रहने वाला लड़का जयंत उसकी बेटी को परेशान करता था और जबरन आए दिन उसका रास्ता रोकता था। वह कहता था कि या तो वह प्यार में खुद मर जाएगा या उसे मार डालेगा। उन्होंने जब जयंत से पूछा तो वह घबरा गया। उन्हें फोन पर सूचना मिली की शहीद पार्क के पास एक युवती की लाश मिली है। वे अपने परिवार के साथ गए तो उसकी बेटी की खून से लथपथ लाश पड़ी हुई थी और उसके शरीर पर चोटें भी थीं। पुलिस ने रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए जयंत को गिरफ्तार किया। वहीं अभियुक्त पक्ष की ओर से कहा गया कि उन्हें प्रकरण में झूठा फंसाया जा रहा है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्तों को सजा सुनाई है।

किसानों को ठगने वाली इस सरकार की अब उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि पिछले 4 साल 8 माह में प्रदेश के करीब 20 हजार से अधिक किसानों की जमीनें राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा नीलामी की गई जिससे प्रदेश के किसानों में आक्रोश व्याप्त है। लेकिन सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। झूठ और लूट वाली सरकार के 4 साल 8 माह के कुशासन में किसानों की बेशकीमती जमीनों की नीलामी का इससे बड़ा सबूत क्या हो सकता है कि जमीन नीलाम करने वाली बैंकों द्वारा रिकॉर्डेड 82.42 करोड़ रुपये का तो केवल कमीशन राजस्व कार्मिकों को दिया गया। इसमें से 24.73 करोड़ का कमीशन पटवारियों को मिला है।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान सरकार राजस्व (ग्रुप-2) विभाग के आदेश के अनुसार कुर्की के माध्यम से नीलाम होने वाली कृषि भूमियों की कीमत पर कुल 5 प्रतिशत कमीशन राजस्व कार्मिकों-पटवारी, गिरदावर, टीआरए, तहसीलदार एवं उपखंड अधिकारी को देने का प्रावधान है। इसमें से 1.5 प्रतिशत पटवारी, 1 प्रतिशत गिरदावर, 0.50 प्रतिशत टीआरए, 1.10 प्रतिशत तहसीलदार एवं 0.5 प्रतिशत उपखंड अधिकारी को कमीशन मिलता है। राठौड़ ने कहा कि सरकार किसानों को निरंतर गुमराह करती आ रही है कि उन्होंने किसानों का कर्जामाफ कर दिया है। लेकिन हकीकत में किसानों की कर्जमाफी तो दूर उनकी जमीनें भी नीलाम हो चुकी है। किसान कर्जमाफी की घोषणा के 10 दिन से लेकर आज 1700 दिन से ज्यादा हो गये हैं लेकिन राहुल गांधी की गिनती अभी तक पूरी नहीं हुई है और किसान अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। प्रदेश में श्रीगंगानगर के किसान सोहनलाल, हनुमानगढ़ के किसान सुरजाराम, करौली में किसान कमलराम मीणा सहित दर्जनभर किसान आत्महत्या जैसा कदम उठा चुके हैं। सरकार ने राष्ट्रीयकृत बैंकों, अनुसूचित बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के ऋणी किसानों के कर्जमाफ हेतु सुझाव देने के लिए कल्ला कमेटी का गठन किया था जो अल्लाह को प्यारी हो गई। कर्जमाफी को दूर की कौड़ी है, किसानों को अब ना तो बिजली मिल रही है और ना ही सिंचाई के लिए पानी। किसानों को ठगने वाली इस सरकार की अब उल्टी गिनती शुरु हो चुकी है।

राजेंद्र राठौड़ चूरू से 100 फीसदी हारेंगे : डोटासरा

- राजेंद्र राठौड़ ने गोविंद सिंह डोटासरा को बताया था अहंकारी रावण

जयपुर, (का.प्र.)। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की ओर से गोविंद सिंह डोटासरा को अहंकारी रावण बताये जाने वाले बयान पर हैदराबाद से लौटने के बाद डोटासरा ने जवाब देते हुए कहा कि रावण विद्वान तो था ही। यह तो मानते हो। विद्वान ब्राह्मण था। ये राठौड़ चूकते नहीं हैं। कभी ब्राह्मणों के खिलाफ टिप्पणी करते हैं। कभी जाटों के खिलाफ टिप्पणी करते हैं। कभी किसी और ओबीसी के विरोध में टिप्पणी करते हैं।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कभी ये ओबीसी के अध्यक्ष को हटा देते हैं, कभी कुछ कर देते हैं। ये बौखलाए हुए हैं। कुछ भी कह सकते हैं। प्रतिपक्ष का नेता केवल लक्ष्मणगढ़ में मीटिंग करे और उसमें भी 3000 लोग हों। उस सभा में भी केवल गोविंद डोटासरा पर बोले। व्यक्तिगत कमेंट करें तो समझ सकते हैं इनकी हालत कितनी पतली है। यात्रा में कम से कम अपनी सरकार का विजन पेश करते। हमारी योजनाओं की कमी खामी बताते। मोदी की योजना की कोई खासियत बताते, लेकिन ये केवल मेरे खिलाफ अनर्गल आरोप लगाते रहे। डोटासरा ने कहा कि मैं फिर कह रहा हूं। राजेंद्र राठौड़ इस बार चूरू से चुनाव नहीं लड़ेंगे। लड़ेंगे तो 100 फीसदी हारेंगे। इसीलिए बौखलाहट में व्यक्तिगत आरोप लगाते हैं। वो सीनियर हैं। इसलिए मैं व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाता। नहीं तो सुबह से शाम हो जाए।

मेयर मुनेश गुर्जर की याचिका का निस्तारण

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने हेरिटेज नगर निगम की मेयर मेयर मुनेश गुर्जर की याचिका का सारहीन होने के चलते निस्तारण कर दिया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश दिए। याचिका में मुनेश गुर्जर ने अपने निलंबन को चुनौती दी थी। अदालत ने कहा कि जिस निलंबन आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, वह आदेश राज्य सरकार ने वापस ले लिया है। ऐसे में अब याचिका पर आगे सुनवाई करने का कोई औचित्य नहीं है। वहीं यदि याचिकाकर्ता के खिलाफ राज्य सरकार किसी तरह का कोई नया आदेश जारी करती है तो उसे नए सिरे से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी जा सकती है।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में तय सीटें आरक्षित नहीं रखने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)।हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2023 में एससी और एसटी के लिए तय आरक्षण के अनुपात में सीटें आरक्षित नहीं रखने पर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। अदालत ने मुख्य सचिव, कार्मिक सचिव, कॉलेज शिक्षा निदेशक और आरपीएससी सचिव से पूछा है कि क्यों ना भर्ती विज्ञापन को रद्द कर नए सिरे से विज्ञापन जारी करने के निर्देश दिए जाए। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. राहुल मौर्य व अन्य की ओर दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग ने गत 22 जून को रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भौतिक विज्ञान सहित कुल 48 विषयों के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर पद की भर्ती निकाली। याचिका में कहा गया कि आरक्षण नियमों के तहत प्रदेश की सरकारी सेवाओं में एसटी वर्ग को 12 फीसदी और एससी वर्ग को 16 फीसदी आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। इसके बावजूद इस भर्ती में आरपीएससी ने आरक्षण नियमों की अवहेलना की है। कार्मिक विभाग की ओर से इस संबंध में जारी अधिसूचना और रोस्टर पाइंट को भी लागू नहीं किया गया है। याचिका में बताया गया कि इस भर्ती में भौतिक विज्ञान के कुल साठ पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। ऐसे में आरक्षण नियमों के तहत एसटी वर्ग के लिए 8 और एससी वर्ग के लिए 10 पद आरक्षित रखे जाने थे। जबकि आयोग ने एसटी वर्ग के लिए एक पद और एससी वर्ग के लिए 2 पद ही आरक्षित रखे हैं। याचिका में यह भी कहा गया कि गत भर्ती के बैकलॉग पद भी रिक्त चल रहे हैं। ऐसे में याचिकाकर्ताओं का संविधान प्रदत्त अधिकारों की अवहेलना हुई है। इसलिए आरपीएससी को निर्देश दिए जाए कि वह इस भर्ती विज्ञापन को रद्द कर आरक्षण नियमों की पालना करते हुए पदों का नए सिरे से निर्धारण कर भर्ती विज्ञापन जारी करे।

अब राज्य सरकार रिटायर कर्मचारियों को नहीं कर पायेगी परेशान

- सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों से नहीं वसूल पायेगी गलती से अधिक भुगतान की गई राशि

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य के वेयर हाउसिंह कॉर्पोरेशन से नौ साल पूर्व सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों से राज्य सरकार द्वारा सेवा के दौरान मिली अधिक राशि को वसूलने के आदेश को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव व प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने जयकुमार चतुर्वेदी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से दीपक शर्मा पैरवी के लिये पेश हुए।

मामले के तथ्य के अनुसार वर्ष 2011 में राज्य सरकार ने राजस्थान वेयर हाऊसिंग कॉर्पोरेशन के कुछ कर्मचारियों को, उनकी सेवानिवृत्त के नौ साल बाद, यह नोटिस जारी किया कि उनसे कुछ राशि वसूली जायेगी क्योंकि उनकी राज्य में सेवा के दौरान उन्हें गलती से अधिक राशि का भुगतान कर दिया गया था। राज्य सरकार के इस नोटिस को जयपुर तथा जोधपुर हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी और दोनों ही अदालतों की एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला दिया था। इस फैसले की अपील भी राज्य सरकार ने दोनों अदालतों की खंडपीठ में की थी। जोधपुर हाईकोर्ट में 12 सितम्बर को राज्य सरकार की अपील को भी खारिज कर दिया गया और सोमवार को इसे जयपुर में भी राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया गया। दरअसल सुप्रीम कोर्ट का इन मामलों में आदेश स्पष्ट है कि सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों से एक साल के अंदर ही राशि वसूली जा सकती है, अगर पांच साल से अधिक समय तक उन्हें अधिक राशि का लाभ मिला हो।

भाजपा किसान मोर्चा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं : चन्द्रशेखर

- कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जमाफी की जायेगी : हरिराम रणवां

जयपुर। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. यादव ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवाडी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोर्चा प्रदेश प्रभारी नारायण सिंह देवल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं प्रदेश स्तरीय बैठक में मोर्चे के प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिलाध्यक्ष, संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी, सोशल मीडिया प्रदेश टीम एवं सोशल मीडिया जिला प्रभारी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने मोर्चे के प्रत्येक पदाधिकारियों से आव्हान किया कि वह अपने-अपने ग्राम स्तर पर संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ, किसान विरोधी इस कांग्रेस सरकार में किसानों के साथ हो रहे अन्याय एवं अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठायें। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां ने बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जो अभी तक नहीं की गई। आज भी किसान अपनी पूर्ण कर्जमाफी का इंतजार कर रहा है। कांग्रेस द्वारा प्रदेश में सरचार्ज, फ्यूल चार्ज ना बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन कांग्रेस की सरकार बनते ही बिलों में वृद्धि करके किसानों की कमर तोड़ दी। साथ ही बिजली कटौती करके किसानों के साथ में धोखा किया। ऐसी निकम्मी सरकार को आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश का किसान सबक सिखाएगा।मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं किसान मोर्चा राजस्थान के प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवाड़ी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा किसान मोर्चा को प्रत्येक बूथ स्तर पर केन्द्र सरकार की किसान जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने की आवश्यकता है, जिससे की हर एक किसान को इन योजनाओं के माध्यम से लाभ मिल सके।

34 साल पहले मामले में सजा कम की

जयपुर। हाईकोर्ट ने गैर इरादतन हत्या के मामले में 34 साल पहले पेश अपील का निस्तारण करते हुए अभियुक्त को मिली सजा को कम करते हुए उसे भुगती हुई सजा तक सीमित कर दिया है। हालांकि अदालत ने कहा कि यदि मामले में लगाया गया हर्जाना अभियुक्त दो माह में जमा नहीं कराता है तो उसे डिफॉल्ट सजा भुगतनी होगी।

जनता जलकर्मियों का महापड़ाव स्थगित हुआ

जयपुर। राजधानी में शहीद स्मारक पर पिछले 2 दिन से स्थाईकरण की मांग को लेकर चल रहा जनता जल कर्मियों का महापड़ाव सोमवार को जलदाय मंत्री महेश जोशी के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया।

बारिश के बावजूद प्रदेश भर से हजारों जनता जल योजना के कर्मचारी अपने स्थाईकरण की मांग को लेकर दो दिन से जयपुर में शहीद स्मारक पर महापड़ाव डाले हुए थे। रविवार को प्रदेश भर से आए जनता जल कर्मियों को संबोधित करते हुए प्रदेश जनता जल योजना श्रमिक यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद राय अग्रवाल ने कहा कि जनता जल योजना के कर्मचारी पिछले 10 वर्षों से नियमित करने के लिए सरकारों के खिलाफ आंदोलन करते आ रहे हैं, परन्तु दुर्भाग्य है कि जो भी सरकार रही वह सिर्फ कर्मचारियों को आश्वासन देती रही। पिछले दिनों 13 मार्च को मुख्यमंत्री ने जनता जल योजना से जुड़े हुए कर्मचारियों को पंचायत राज से हटाकर जलदाय विभाग के अधीन करने के आदेश दिये थे। साथ ही जनताजल योजना श्रमिकों को जलदाय विभाग मे समायोजित करते हुए स्थाईकरण करवाने की घोषणा की थी। लेकिन बड़ी विडंबना है कि मुख्यमंत्री के निर्देश के बावजूद भी आज तक उन्हें स्थाई नहीं किया गया। कर्मचारी नेता गजेंद्र सिंह राठौड़ ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार हमारी बात नहीं मानती है तो सीएम हाउस कूच किया जाएगा। इस दौरान जलदाय मंत्री डॉक्टर महेश जोशी धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री व अधिकारियों से बात कर समाधान का आश्वासन दिया।

पडौसी ने किया युवती से दुष्कर्म

जयपुर। झोटवाड़ा इलाके में पडौसी द्वारा युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने युवती को घर में अकेला देखा तो जबरन अंदर घुस गया और उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर अश्लील वीडियो बना लिया। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ झोटवाड़ा थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस ने बताया कि झोटवाड़ा निवासी 19 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। आरोप है कि पड़ोसी युवक पिछले 2 महीने से उसको परेशान कर रहा था। दोस्ती करने का दबाव बना रहा था। 10 दिन पहले वह घर पर अकेली थी। इसी दौरान आरोपी पडौसी जबरन घर में घुस आया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत को लेकर बैठक

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की बैठक का आयोजन भाजपा जयपुर शहर कार्यालय पर आयोजित हुई। जिसमें बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राघव शर्मा और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने की। बैठक 19 मई को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा साथ ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी पदाधिकारी के स्वागत को लेकर की गई। जिला अध्यक्ष राघव शर्मा ने बताया 19 मई को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय पदाधिकारियों के स्वागत के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। तैयारियों में बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय पदाधिकारी के स्वागत के लिए 5 पॉइंट निश्चित किए गए हैं जिसमें पहला पॉइंट एयरपोर्ट सांगानेर, दूसरा गांधी सर्किल, तीसरा ट्रांसपोर्ट नगर, और चौथा खोले के हनुमान जी, आमेर कुंडा रहेगा। उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यसमिति की बैठक लेंगे जो आमेर कुंडा स्थित होटल लीला में होगी। इसके बाद 20 मई को शाम 7 बजे भारतीय जनसंघ के संस्थापक सुंदर सिंह जी भंडारी पुस्तक का विमोचन करेंगे। विमोचन कार्यक्रम बिरला सभागार में होगा। इन सभी की तैयारियों को लेकर जयपुर शहर कार्यालय में अरुण चतुर्वेदी और राघव शर्मा ने तैयारियों का जायजा लिया।

एस.के.फाइनेंस वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट 7 -8 अक्टूबर को

जयपुर, (का.सं.)। भारत के एकमात्र और बहु प्रतिष्ठित एस.के फाइनेंस वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट के तीसरे संस्करण का मंच सजने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस फेस्ट का आयोजन 7-8 अक्टूबर को जयपुर में जवाहर कला केंद्र के शिल्प ग्राम में एस.के. फाइनेंस और संस्कृति युवा संस्था द्वारा किया जा रहा है। फेस्ट में हेल्थ एंड वेलनेस के अलग-अलग आयामों से जुड़े 100 से अधिक एक्सपर्ट विभिन्न सेशन के जरिये अपनी बात रखेंगे। राजस्थान में चिकित्सा जगत के पितामह कहे जाने वाले और आर.यू.एच.एस. कुलपति, डॉ. सुधीर भंडारी इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक होंगे।

फेस्ट के सह-संस्थापक, नरिशन्त शर्मा और मुकेश मिश्रा ने बताया कि, फेस्ट में सेशन् के अलावा 2000 लोग भांगड़ा ज़ुम्बा का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे। जिसमे भांगड़ा फिटनेस सोशल मीडिया पर फेमस एश्ली कौर भांगड़ा करेंगी और साथ में ज़ुम्बा भी होगा, ओशो डायनमिक मैडिटेशन, वैलनेस ह्यूमन बुक्स, क्लोज टू नेचर वर्कशॉप जैसे कार्यक्रम भी होंगे। साथ ही हेल्थ एन्ड लाइफस्टाइल एक्जीबिशन भी लगेगी। कार्यक्रम में आम लोगों के लिये प्रवेश पूर्णतया निःशुल्क है लेकिन फेस्ट की वेबसाइट पर पहले पंजीकरण करवाना आवश्यक है।

गणेश चतुर्थी पर सुरक्षा व्यवस्था के विशेष इंतजाम

जयपुर। गणेश चतुर्थी का पर्व मंगलवार को प्रदेशभर में धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे लेकर जयपुर शहर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के चलते कानून-व्यवस्था और यातायात के विशेष इंतजाम किए गए है। मोती डूंगरी गणेश मंदिर के चारों ओर बैरिकेडिंग की गई है। इससे भीड़ का नियंत्रित किया जाएगा।

मंदिर परिसर के आसपास सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी रखी जाएगी। कंट्रोल रूम के जरिए पुलिस अधिकारी तमाम सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी रखेंगे।

इसके लिए अतिरिक्त जाप्ता लगाया गया है। इस बार विशेष तौर से एआई तकनीक वाले कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों के जरिए पुलिस अपराधियों का डाटा एप पर अपलोड करेगी। एआई तकनीक आधारित कैमरों को फेस रिकग्निशन एप से जोड़कर काम में लिया जाएगा, जिससे भीड़ में शामिल बदमाशों को भी चिह्नित किया जाएगा।

वहीं 3 दिनों तक यातायात के भी विशेष इंतजाम रहेंगे।

कार सवार युवकों ने कैफे में घुसकर तोड़फोड़ की

कैफे में कार्यरत स्टाफ द्वारा पानी की बोतल के पैसे मांगने पर हुआ झगड़ा

जयपुर। राजधानी जयपुर के अशोक नगर क्षेत्र के एक कैफे के स्टाफ को कार सवार युवकों ने इसलिए पीट दिया क्योंकि उन्होंने पानी की बोतल के पैसे मांगे थे। युवकों ने कैफे में तोड़फोड़ कर काउंटर को भी नीचे गिरा दिया। पूरी घटना कैफे में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। पीड़ितों ने अशोक नगर थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस थार गाड़ी में सवार होकर आए युवकों की तलाश में जुटी है। इस घटना के अगले दिन कुछ बाइक सवारों ने स्टाफ को धमकाया कि एफआईआर करवाई तो कैफे को आग लगा देंगे। पुलिस ने बताया कि बगरूवालों का रास्ता (चांदपोल बाजार) में रहने वाले दिनेश कुमार शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने बताया- जमुना लाल बजाज मार्ग सी-स्कीम पर उनके बेटे अक्षय का टीपीसी नाम से कैफे है। वे दिन के समय कैफे का काम करते हैं। रात के समय टेक-अवे का काम होता है। गत 15 सितंबर की रात करीब 2.45 बजे थार गाड़ी में चार लड़के आए। कैफे बंद होने की बात कहने पर पानी की बोतल मांगने लगे। कैफे का कर्मचारी प्रमोद पानी की बोतल देने गया। पैसे मांगने पर कार में बैठे लड़के प्रमोद से झगड़ा करने लगे। मारपीट करने पर प्रमोद भागकर कैफे के अंदर आ गया। चारों लड़के थार गाड़ी से नीचे उतरकर कैफे के अंदर आ गए और स्टाफ से मारपीट कर कपड़े तक फाड़ दिए। धमकी देकर जाते समय कैफे में तोड़फोड़ कर काउंटर को भी नीचे गिरा दिया। अगले दिन केस दर्ज करवाया गया। अशोक नगर थाने में शिकायत करने पर अगले दिन बाइक पर आए कुछ लड़कों ने धमकी दी कि एफआईआर करवाई तो कैफे को आग लगा देंगे और बंद करवा दंगे। तुम हमारा कुछ नहीं कर सकते।

104 वाहन चोरों के ठिकानों पर दबिश, 34 गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने करणी विहार, श्याम नगर, जवाहर सर्किल, महेश नगर, झोटवाड़ा, मुहाना, शिवदासपुरा, शिप्रापथ, बजाज नगर, मुरलीपुरा, मानसरोवर, आमेर, जालूपुरा, कोतवाली, महेश नगर, ट्रांसपोर्ट नगर एवं माणकचौक थाना इलाके में वाहन चोरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया और 34 वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। 17 थाना इलाकों में 104 वाहन चोरों के ठिकानों पर दबिश दी गई। पुलिस ने बदमाशों के पास से चोरी की 67 बाइक, 1 बाइक का इंजन, 9 बाइक के पार्ट्स और 4 चोरी के मोबाइल बरामद किए। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पुलिस ने वाहन चोरी में विभिन्न थानों के 70 चालान शुदा अपराधियों से पूछताछ की। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि सीएसटी ने 10 से ज्यादा थाना इलाके में वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जयपुर के शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। इन बदमाशों के पास से अलग-अलग थाना पुलिस ने बड़ी संख्या में चोरी के वाहनों को जब्त किया है। गिरफ्तार बदमाशों की सूचना पर अन्य चोरी के वाहन भी पुलिस जल्द बरामद कर सकती है। पुलिस ने आकाश चौबे निवासी वाल्मिकी नगर मालवीय नगर,अजय महावर निवासी झालाना कच्ची बस्ती मालवीय नगर, विशाल बमेन निवासी वाल्मिकी नगर मालवीय नगर,सागर चौहान उर्फ शक्ति निवासी फागी जिला जयपुर ग्रामीण, लोकेश मोर निवासी मौजमाबाद जिला जयपुर ग्रामीण, लोकेश निवासी चकवाड़ा फागी जिला जयपुर ग्रामीण, नवरत्न मीणा निवासी सवाईमाधोपुरा हाल नया मौजा पुलिस थाना मोजमाबाद जिला जयपुर,दिलीप सिंह निवासी चौरु फागी जिला जयपुर ग्रामीण, ओमप्रकाश गोस्वामी निवासी बजरंग वाटीका बिंदायका शिवार मोड जयपुर,राकेश बैरवा निवासी लांबा हरिसिंह जिला टोंक को गिरफ्तार किया है। इसी तरह बबलू जांगिड़ निवासी लांबा हरिसिंह जिला टोंक, जयसिंह निवासी आंटोली जिला टोंक, मिजान शेख निवासी आमेर, किशन निवासी मालवीय नगर जयपुर, आकाश राय निवासी मालवीय नगर जयपुर, आकाश मेहता निवासी रोहिणी विहार खोरा बिसल जयपुर, दानिश उर्फ मक्खी निवासी नाजिर जयसिंहपुरा खोर ,रवि मल्होत्रा निवासी रामगंज जयपुर,नरेन्द्र उर्फ डेमो उर्फ सागर निवासी टोंक हाल रामगंज ,बाबू उर्फ सलीम निवासी सांगानेर जयपुर,रहीश खान निवासी ईटावा जिला कोटा हाल सांगानेर जयपुर, बीमन्तर वरमन निवासी मालवीय नगर जयपर,अजय बैरवा निवासी मालवीय नगर जयपुर, शहजाद उर्फ मुन्नू खान निवासी जयसिंहपुरा खोर जयपुर,रैहान उर्फ नन्हा उर्फ नन्नू निवासी गलतागेट जयपुर, अंकित निवासी शिवदासपुरा जयपुर, राहुल सिंह उर्फ जसविन्दर सिंह निवासी गलतागेट जयपुर, शिवम मंगवान उर्फ युगल गलतागेट जयपुर, विपिन राजावत निवासी टोडाभीम जिला करौली हाल करधनी जयपुर, गिरधर सिंह निवासी सिरसी रोड जयपुर,हैप्पी सिंह राठौड़ निवासी हाथोज फाटक सिरसी रोड जयपुर,धीरज जांगिड़ निवासी राज विहार गांव सिरसी जयपुर,जॉन आशिष निवासी करणी विहार जयपुर,बलराम चौधरी निवासी जयपुर को गिरफ्तार किया है।

लड्डू प्रसादी वितरण आज पूरे दिन

जयपुर। श्री खोले के हनुमान मंदिर स्थित नृत्य गोपाल गणेश मंदिर में गणेशोत्सव पर भक्तों को सुबह से रात तक लड्डू प्रसादी का वितरण किया जाएगा। श्री नरवर आश्रम सेवा समिति के महामंत्री बृजमोहन शर्मा ने बताया कि गणेश चतुर्थी पर सुबह 5 बजे नृत्य गोपाल गणेश का अभिषेक किया जाएगा। नई पोशाक धारण कराकर श्रृंगार किया जाएगा।

51 विकास कार्यों का लोकार्पण

भीम । उपखंड क्षेत्र की छापली ठााम पंचायत अंतर्गत 20 करोड़ की लागत से विभिन्न 51 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह सोमवार को विधायक सुदर्शन सिंह रावत के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता छापली सरपंच गणपतसिंह ने की। विशिष्ट अतिथि रावत महासभा अध्यक्ष गिरधारीसिंह पीसीसी सदस्य रुपाराम सालवी, ब्लॉक सचिव विजय राम, पूर्व जिला परिषद सदस्य गोविंद सिंह पूर्व सरपंच लक्ष्मण सिंह, उदय सिंह, शंकरलाल जैन मोहनलाल वर्मा आशुसिंह गहलोत रावत महासभा पूर्व अध्यक्ष भगवानसिंह खिमाखेड़ा सरपंच मीनाक्षी भील सरपंच सुरेशसिंह दिवेर सरपंच भंवरसिंह बागाना सरपंच विष्णु मेवाड़ा आदि अतिथियों के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में विधायक सुदर्शन सिंह रावत ने 20 करोड़ की लागत से निर्मित 51 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान

ग्राम छापली से ढाणा सड़क नवीनीकरण कार्य, व फर्ष निर्माण कार्य ढाणा ग्राम भादातो की गुआंर में उच्च जलाशय निर्माण व पाईप लाईन कार्य करवाया जायेगा।

सांवलिया जी सेठ में एक माह में 10 करोड़ 76 लाख रुपए का नगद चढ़ावा मिला

मंडफिया। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में गत 13 सितंबर चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरुलाल गुर्जर की उपस्थिति में सोमवार को संपन्न हुई। मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरुलाल गुर्जर ने बताया कि सोमवार को चौथे चरण में हुई गिनती में 58 लाख 10 हजार 425 रुपए नगद प्राप्त हुए।

अध्यक्ष गुर्जर ने बताया कि इससे पूर्व तीन चरणों में हुई गिनती में 9 करोड 17 लाख 60 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए थे। उन्होंने बताया कि चारों चरण की गिनती को मिलाकर कुल 9 करोड़ 75 लाख 70 हजार 425 रुपए की नगद प्राप्ति हुई। अध्यक्ष गुर्जर ने बताया कि इसके अलावा भंडार से निकले सोने चांदी का तोल भी किया गया। भंडार से 88 ठााम सोना व 12 किलो 100 ठााम चांदी प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न भक्तों द्वारा मंदिर कार्यालय में 40 ठााम 500 मिली ठााम सोना व 19 किलो 842 ठााम चांदी

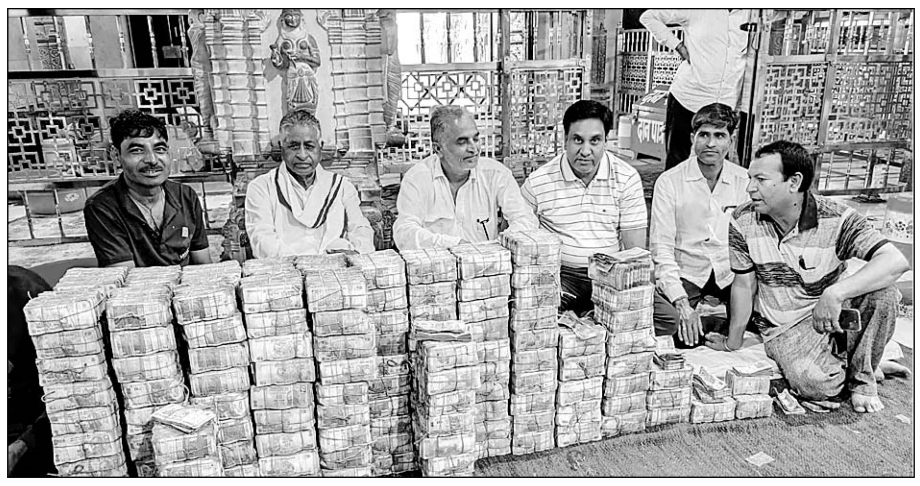

श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में दस करोड़ का चढ़ावा आया।

भेंट स्वरूप जमा हुई। अध्यक्ष गुर्जर ने बताया कि इसके अलावा विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से मनी ऑर्डर भेजकर,ऑनलाइन द्वारा एवं स्वयं उपस्थित होकर मंदिर कार्यालय में एक करोड़ एक लाख 800 रुपए भेंट जमा किए। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य संजय कुमार मंडोवरा, अशोक शर्मा, भेरूलाल सोनी, श्रीलाल पाटीदार, ममतेश शर्मा, कांठोस युवा नेता सुरेश चंद्र गुर्जर, प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, संपदा प्रभारी कालू लाल तेली, लेहरी लाल गाडरी, कार्यालय के मनीष दाधीच, ऊंकार लाल अहीर, पूरण शर्मा, श्रवण शर्मा, दीपक तिवारी, जितेंद्र त्रिपाठी, नारायण लाल गाडरी सहित चुनिंदा मंदिर कर्मचारी एवं बैंक कर्मी उपस्थित थे।

दिव्यांग युवती की गला दबाकर हत्या

प्रतापगढ़ । देवगढ़ सर्कल के खूंटगढ़ गांव के जंगल में दिव्यांग युवती की हत्या कर लाश पेड़ से लटकाने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक कुलदीप गहलोत पुत्र केरीमल निवासी मंदसौर हाल बारावरदा थाना धमोतर को गिरफ्तार किया है। मामले में अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है।

एसपी अमित कुमार ने बताया कि 15 सितंबर को बारावरदा निवासी भंवरलाल गुर्जर ने थाना धमोतर पर रिपोर्ट दी कि उसकी मानसिक रूप से कमजोर और दिव्यांग भांजी बीते रोज दोपहर करीब 2:00 बजे घर पर किसी को बिना बताए कहीं चली गई। रिपोर्ट पर अंपायर दर्ज कर तलाश शुरू की गई। इसी दौरान शनिवार को थाना देवगढ़ सर्कल के खूंटगड गांव के जंगल में एक युवती की लाश पेड़ पर लटकी मिली। जिसकी पहचान भंवरलाल ने अपनी भांजी के रूप में की।

एसपी कुमार ने बताया कि मानसिक रूप से कमजोर और दिव्यांग युवती की हत्या की घटना की गंभीरता को देख आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा व सीओ आशीष कुमार के सुपरविजन एवं एसएचओ रठांजना मुंशी मोहम्मद के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

अफीम डोडा चूरा से भरी स्कॉर्पियो पकड़ी

चित्तौडगढ । चित्तौडगढ जिले की सदर निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने सोमवार को नाकाबंदी के दौरान एक स्कॉर्पियो में अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा 4 क्विटंल 37 किलो 100 ठााम अवैध अफीम डोडा चूरा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं साथी आरोपी को नामजद किया गया है।

एसपी राजन दुष्यंत ने बताया कि अवैध मादक पदार्थो की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के तहत एएसपी बुगलाल मीना व डीएसपी बेनीप्रसाद के मार्गदर्शन में सदर निम्बाहेड़ा थानाधिकारी विरेन्द्र सिंह ने चरलिया गदिया पर नाकाबन्दी कर रहे थे। इसी दौरान चरलिया गदिया की तरफ से आ रही एक स्कॉर्पियो के चालक ने पुलिस टीम को देख अचानक स्कॉर्पियो की गति बढा दी। पुलिस के पीछा करने व तेज गति के कारण स्कॉर्पियो असंतुलित होकर रोड से नीचे उतर कर पत्थरो में जाकर क्षितठास्त होकर रूक गई। स्कॉर्पियो से भागने का प्रयास करते चालक को घेर कर टीम ने पकड़ लिया, दूसरी साईड से भागा व्यक्ति रात का वक्त होने के कारण वह झाडियों में ओझल हो गया। स्कॉर्पियो में पीछे की सीटे नहीं थी, जहां 21 प्लास्टिक के कट्टो में 4 क्विटंल 37 किलो 100 ठााम डोडा चूरा अवैध अफीम डोडा चुरा मिला। अवैध अफीम डोडा चूरा व स्कॉर्पियो जब्त कर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में वाहन चालक चित्तौड़गढ जिले के चन्देरिया थाना के सिरोडी निवासी सुरेश चन्द्र पुत्र नाथु लाल जाट को गिरफतार कर लिया। भागने वाला व्यक्ति घनश्याम पुत्र जगदीश आरोपी के गांव का ही है। जिसकी तलाश के लिए टीम भेजी गई है।

नाम परिवर्तन

मैंने मेरे पुत्र का नाम PRADHUMAN PALIWAL से बदलकर कार्तिक पालीवाल रख लिया है। भविष्य में इसी नये से जाना पहचाना जावे।

– महेश पालीवाल
निवासी चुंडावतो का जवालिया
तहसील आमेट जिला राजसमंद

आम -सूचना
भारत सरकार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन प्राधिकरण मंत्रालय, राजस्थान राज्य स्तरीय राजस्थान के पत्र क्रमांकF-1(4)SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat.B2 (23217)/2021-22-JAIPUR Dated-13/09/2023 के द्वारा मेसर्स विजय शक्ति स्टोन क्रेशर प्राइवेट लिमिटेड को निकट ग्राम-सेमाल, तहसील देलवाड़ा व जिला -राजसमन्द में स्थित खनन पट्टा Ref. No. 20231000074700, ML Aera. 1.0043 हेक्टर वास्ते खनिज-मार्बल ग्रेनाइट खसरा संख्या 3613/85, उत्पादन क्षमता 100,000TPA के लिए पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की गई है। उपरोक्त स्वीकृति की प्रति SEIAA, Rajasthan एवं राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मण्डल कार्यालय में जनसाधारण के लिए उपलब्ध है एवं बोर्ड की वेबसाईट http://environmentclearance.nic.in पर भी देखी जा सकती है।

लिज धारक
विजय शक्ति स्टोन
क्रेशर प्राइवेट लिमिटेड

मुख्य सचिव ने ली समस्त कलक्टर की बैठक

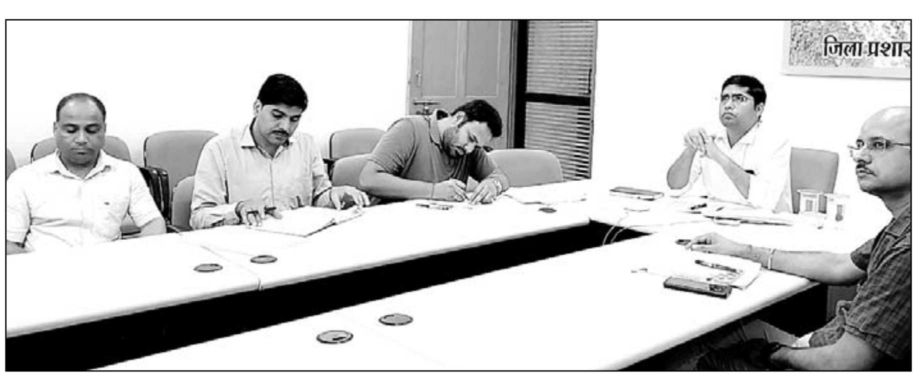

जनाधार कार्डधारी परिवारों को किया जाएगा जनसम्मान किट का वितरण।

प्रतापगढ़,। राजस्थान की मुख्य सचिव महोदय उषा शर्मा ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त जिला कलेक्टर की बैठक ली। बैठक में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष से जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव व जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय हैं की राज्य के जनाधार कार्डधारी परिवारों को जनसम्मान किट का वितरण किया जाएगा।

जनसम्मान किट में जनसम्मान सर्टिफिकेट जन आधार, जनसम्मान सर्टिफिकेट चिरंजीवी, जन आधार कार्ड, राशन वितरण पंजिका, चिरंजीवी कार्ड, चिरंजीवी योजना संबंधी मुख्यमंत्री महोदय का पत्र, चिरंजीवी दुर्घटना बीमा पॉलिसी, आरजीएचएस संबंधी मुख्यमंत्री महोदय के पत्र (सेवारत, सेवानिवृत्त एवं जनप्रतिनिधियों के लिए), आरजीएचएस कार्ड शामिल है। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर दीपेंद्र राठौर, नगर परिषद आयुक्त जितेंद्र मीणा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के एसीपी अशोक कुमार मीणा, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सहायक निदेशक जगदीश कुमावत सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण शिविर का समापन

उदयपुर, (निसं)।राज आर एण्ड वी रेजीमेंट एनसीसी नवानिया की ओर से आयोजित दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह का शुभारंभ सोमवार को जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ के कृषि भवन के सभागार में कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, कैम्प कमांडेंट कर्नल ई एन मनोज, वीपुल बया, प्रो. सरोज गर्ग, डॉ. सुनिता मुर्डिया ने मॉ सरस्वती की मूर्ति पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। इससे पूर्व कैडेट्स द्वारा कुलपति प्रो. सारंगदेवोत को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। समारोह में केडेट्स द्वारा राजस्थानी, पंजाबी व देश भक्ति गानों पर जमकर प्रस्तुतियॉ दे उपस्थित अतिथियों को मंत्रमूग्ध कर दिया।

अध्यक्षता करते हुए प्रो. सारंगदेवोत ने युवाओं का आव्हान किया कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए कृतज्ञता का भाव, टाईम मैनेजमेंट व सकारात्मक सोच जरूरी है और यही भाव आपको जीवन में सफल बनाता है। सफलता का कोई शोर्ट कट नहीं है, कडी मेहनत ही सफलता का मूल मंत्र है। प्रारम्भ में केम्प कमांडेट मनोज ने बताया कि दस दिवसीय शिविर में 9 जिलों के 58 संस्थाओं के 440 केडेट्स ने भाग लिया।

विरोध स्वरूप कर्मचारियों ने काले कपड़े पहनकर ड्यूटी की

■ **24 सितम्बर को काले कपड़े पहन कर निकालेंगे वाहन रैली**

डूंगरपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के 15 सूत्री मांग पत्र की मांगों तथा नीतिगत दस्तावेज के कर्मचारी कल्याण का एक भी बिंदु लागू नही करने के विरोध में किए जा रहे चरणबद्ध आंदोलन की श्रृंखला में सोमवार को कर्मचारियों ने काले कपडे पहन कर विरोध दर्ज करवाया।

महासंघ के जिलाध्यक्ष धनेश्वर पंड्या ने बताया कि राज्य सरकार महासंघ के मांग पत्र की लगातार उपेक्षा कर रही है तथा संवादहीनता रख रही है। साथ ही सरकार ने चुनाव से पूर्व जारी अपने घोषणा पत्र जिसको कैबिनेट की प्रथम बैठक में नीतिगत दस्तावेज बना दिया गया था, उसके एक भी बिंदु को लागू नहीं कर प्रदेश के कर्मचारियों से छलावा किया है। जिसके कारण प्रदेश के लाखों कर्मचारियों में आक्रोश है। इससे आहत होकर अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने काले कपडे पहन कर विरोध दर्ज करवाया है। महामंत्री हेमन्त कुमार ने बताया कि सरकार सिर्फ कर्मचारी वेलफेयर करने का माहौल बना रही है, जबकि वास्तविकता में एक भी कर्मचारी संवर्ग की वेतन विसंगति दूर नहीं की गई है, हजारों कर्मचारी कैडर स्ट्रेंथन की अपेक्षा पाले बैठे है तथा लाखों संविदा कार्मिको को नियमित करने के स्थान पर संविदा कार्मिक रखने के ही नए नियम बना कर छल किया। महासंघ के जिला उपाध्यक्ष मणिलाल मालीवाड़ ने बताया कि शासन एवं सरकार लगातार कर्मचारी संगठनों की उपेक्षा कर रही है। सरकार पर ब्यूरोक्रेसी हावी है जिसके परिणाम स्वरूप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री की घोषणा के बाद भी हजारों तृतीय श्रेणी शिक्षको स्थानानरण नहीं किए। आज के विरोध में मुख्य मांगे:-कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर कर वर्ष 2013 की अनुसूची 5 के अनुसार सातवें वेतन आयोग में वेतन निर्धारण करने तथा कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 26000 करने, 9,18 एवं 27 वर्ष की सेवा पर मुख्यमंत्री की बजट घोषणा संख्या 155 के अनुसार एसीपी के स्थान पर 7,14,21, एवं 28 वर्ष की सेवा पर पदोन्नित पद का वेतनमान स्वीकृत करने, विभिन्न कर्मचारी संगठनों से सरकार द्वारा किए गए समझौतों एवं सहमतियों को लागू करने, सहायक कर्मचारियों को एमटीएस घोषित करने, अध्यापकों तृ.वे.श्रे.के स्थानान्तरण करने तथा सभी कार्मिकों के लिए पारदर्शी स्थानान्तरण नीति लागू करने, ठाामीण क्षेत्र में कार्यरत कार्मिकों को ठाामीण भत्ता स्वीकृत करने,नियमित पदों पर संविदा कार्मिकों के भर्ती के लिए जारी संविदा नियम 2022 को प्रत्याहारित कर रिक्त पदों पर नियुक्त संविदा कार्मिकों-अस्थाई कार्मिकों को नियमित करने,विभिन्न संवर्गों की मांग के अनुसार उनके पद नाम परिवर्तन किए जावे।

आम -सूचना
भारत सरकार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन प्राधिकरण मंत्रालय, राजस्थान राज्य स्तरीय राजस्थान के पत्र क्रमांक संख्या F-1(4)SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat.B2 (23213)/ 2021-22-JAIPUR Dated-13/09/2023 के द्वारा मेसर्स विजय शक्ति स्टोन क्रेशर प्राइवेट लिमिटेड को निकट ग्राम-सेमाल, तहसील देलवाड़ा व जिला -राजसमन्द में स्थित खनन पट्टा Ref.No.20231000074941, ML Aera. 1.2624 हेक्टर वास्ते खनिज-मार्बल ग्रेनाइट खसरा संख्या 3571/32, उत्पादन क्षमता 100,000 TPA के लिए पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की गई है। उपरोक्त स्वीकृति की प्रतिSEIAA, Rajasthan एवं राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मण्डल कार्यालय में जनसाधारण के लिए उपलब्ध है एवं बोर्ड की वेबसाईट http://environmentclearance.nic.in पर भी देखी जा सकती है।

लिज धारक
विजय शक्ति स्टोन
क्रेशर प्राइवेट लिमिटेड

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, उदयपुर

क्रमांक : LU2012/UDP/2023-24/102417 दिनांक: 16/09/2023

लोक-सूचना

श्री ARJUN LAL MENARIA पुत्र श्री VIJAY RAM MENARIA जाति BRAHMIN निवासी45/26, DHOL WALI MAGRI, PANERIYO KI MADRI, Udaipur

नेइस कार्यालय में नीचेउल्लिखित भूमिका आवासीयप्रयोजन के उपयोग हेतुऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल(वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	मादडी पानेरियान, गिर्वा (उदयपुर)	ARJUN LAL MENARIA S/O VIJAY RAM MENARIA	1926/966	225	0.0225
				कुल	0.0225

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 16-09-2023 को जारी की गयी। प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, उदयपुर

तपस्वीयों के वंदन में उमड़ा जन सैलाब

डूंगरपुर। जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के आठ दिवसीय पर्युषण महापर्व के तहत सोमवार को सातवें दिन विविध धामिक अनुष्ठानों का दौर पूर्ण यौवन पर है। मंगलवार को पर्युषण पर्व के अन्तिम दिन संवत्सरी के रूप में मनाया जायेगा। इससे पूर्व अटठम उपवास के तपस्वी का सामुहिक अखण्ड दीप प्रज्ज्वलन, जयकारों के बीच किया गया।

साथ ही इस दौरान सकल जैन समाज के सानिध्य में जैन सोसायटी स्थित संभवनाथ उपाश्रय में तपस्वी का वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे प्रभु भक्ति के गीतो पर सम्पूर्ण जन समुदाय झुम उठा। भक्ति गीतो के तहत देना है तो दीजिये जन्म जन्म का साथ..मेरे सिर पर रख दों अपने ये दोनो हाथ..। दादा तारे जेवों मारे थावों छे..। उडेरे गुलाल दादा थारा मंदिरिया मा..। भज-ले प्रभु का नाम.....,नाम है तेरे तारण हारा, कब तेरा दर्शन होगा...सहित प्रभु की स्तुति में गीतों ने समा बांध दिया और श्रद्धालु झुम कर नाचने लगे। इस दौरान शहर के सकल जैन समाजो के अलावा ठाामीण क्षेत्रो से भी बडी संख्या में धर्म प्रेमी तपस्वी के वंदन में उमडे थे। मंगलवार को संवत्सरी मनाई जायेगी।

पर्युषण पर्व के तहत सोमवार को घाटी स्थित पाश्र्वनाथ मंदिर,महावीर स्वामी मंदिर, फौज का बडला स्थित शांतिनाथ जी मंदिर, माणक चौक स्थित आदिनाथ मंदिर,ओटा स्थित नैमिनाथ मंदिर तथा जैन सोसायटी स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में प्रातः दुग्धपक्षाल, केसरपूजा, फूल पूजा, के कार्यक्रम धर्म प्रेमियों ने विधि विधान के साथ किया। इस दौरान मंदिरों में स्नात्रपूजा का आयोजन भी लाभार्थी परिवारों द्वारा किया गया। शाम को प्रतिक्रमण किया गया। पर्युषण पर्व के तहत रात्रि को मंदिरों में भजन मण्डली के आयोजन में जब प्रभु-गीतों पर उपस्थित धम प्रेमी नाज उठे तो पूरा वातावरण धर्ममयी हो गया।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली/ उदयपुर, । वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया और महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एठाीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी उदयपुर के बीच आज दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो वर्ने ग्लोवर एवं एम पी यू ए टी के कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक ने एम ओ यू पर हस्ताक्षर किये। इस समझौते में पिछले वर्ष हुए समझौते को अगले 5 वर्ष के लिए बढ़ाया गया है । कुलपति डॉ कर्नाटक ने बताया कि यह हम सभी के लिए एक आभूतपूर्ण पल है जिसे संजोया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस एम ओ यू के मध्यम से एमपीयूएटी और वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय के मध्य शोध और विधार्थियो के उच्च अध्ययन को नये आयाम मिलेंगे। इस समझौते के द्वारा हमारे विद्यार्थियों को ऑस्ट्रेलिया के श्रेष्ठतम शिक्षण संस्थान में अध्ययन एवं शोध का अवसर मिलेगा।

बाबा रामदेव दिवस पर भजनों की सरिता बही

डूंगरपुर। भाद्रपद की दूज बाबा रामदेव अवतरण दिवस पर शिवाजी नगर सेक्टर 3 रामदेव चौक में श्री रामदेव भक्ति लहर के कलाकारों द्वारा भजनों की सरिता का प्रवाह हुआ। सुंदर आकर्षक रामदेव बाबा की झांकी दर्शनार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। प्रातः काल रामदेव व्रत कथा का पाठ किया गया।

रात्रि 9 बजे भजन संध्या से पूर्व संत आगमन में दिव्य ज्योति जागृति संस्थान से सर्वश्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या विदुषी चिन्मय भारती एवं निलेशा भारती तथा कला साधकों एवं अतिथि भारत विकास परिषद प्रांतीय अध्यक्ष गिरीश पानेरी,तिलक शाखा से उपाध्यक्ष योगेश पंडया का उर्पणा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात राधा कृष्ण बनकर आए नन्हे मुन्ने बालक बालिका का सम्मान किया गया जिसमें मानवादित्य सिंह चुंडावत, काव्या, हांसीजा चार्वी अहाड़ा, हर्षिता असवानी माहिर हांसीजा, प्रांसी जेठवा, परवा जेठवा का मोमेंटो तथा प्रशस्ति पत्र से सम्मान किया गया। भजनों के आगाज में भजन गायक लक्ष्मीकांत जेठवा द्वारा गणेश वंदना में तने सिमरु गजानंद देवाए भोले गिरजापति में हूं तुम्हारी शरण,भादवारी दुजरों मेलो पाछों आ गयो, खम्मा खम्मा हो रुणिचा रा धनिया, हेलो बाबा हेलो मारों सुणजों, हर दर्द की दवा है रणुजा शहर में, किस देवता ने आज मेरा दिल चुरा लिया। कोई आए कोई जाए यह तमाशा क्या है भजनों की सरिता से श्रोतागण झूम उठे। तत्पश्चात गोपाल शर्मा, अनिल खोईवाल, गिरीश जोशी ने भी सु-मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजनों के साथ तबले पर ओमप्रकाश जेठवा, रविकांत जेठवा, सेंथोसाइजर पर दीपक प्रजापत व नगिन प्रजापत, ढोलक पर राजेश भारद्वाज, झंकार पर निरंजन जेठवा, अर्चित सुथार ने संगत दी आयोजन में धर्मेंद्र व्यास, भूपेश शर्मा, दिव्य प्रकाश जेठवा, पुष्पेंद्रसिंह चुंडावत, बद्री सुथार इत्यादि उपस्थित रहे ।

एक शाम, हमारे भारत के नाम कार्यक्रम

डूंगरपुर। नगरपरिषद और मातृ शक्ति ठाुप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले एक शाम हमारे भारत के नाम कार्यक्रम शनिवार 23 सितम्बर को ऑडिटोरियम में मनाया जाएगा। काय्र्रकम को लेकर नगरपरिषद और मातृ शक्ति ठाुप ने तैयारियां शुरू कर दी है। मातृ शक्ति ठाुप की ऋतु शाह ने बताया कि महिलाओं द्वारा विभिन्न विद्यालयों में चित्रकला, निबंध और सांस्कृतिक काय्र्रकम के तहत सम्पर्क शुरू कर दिया है। शाह ने बताया कि परिषद सभापति अमृत कलासुआ ने निर्देशन में एक संयुक्त सांस्कृतिक काय्र्रकम बनाया गया है, जिसमें 20 से 22 सितम्बर तक विद्यालयों में हमारे देश भारत की संस्कृति, आजादी, धर्म, महापुरुष, स्वतंत्रता सेनानी और कला सहित अन्य विषयों पर चित्रकला, निबंध और कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 23 सितम्बर को ऑडिटोरियम में एक भव्य देश भक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सोमवार को विभिन्न विद्यालयों में सांस्कृतिक काय्र्रकम की तैयारियां शुरू कर दी है जिमसे मातृ शक्ति ठाुप की महिलाओ द्वारा उन्हें नृत्य का अभ्यास भी कराया जा रहा है।

प्रारूप 10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय नगरपरिषद सलुम्बर जिला सलुम्बर (राज.)

क्रमांकः-क्र.भू.नि./2023-24/2273-75 दिनांकः- 18.09.2023

लोक-सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा कृषि भूमि नियमन 90-क के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत कर उनके नाम के आगे अंकित भूमि का कृषि भूमि से आवासीय नियमन/प्रयोजनार्थ चाहा गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ती हो तो इस लोक-सूचना प्रकाशन के 07 दिवस में अपनी आपत्ती मय दस्तावेज एवं सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद कोई भी आपत्ती काबिले समायत नहीं होगी एवं कृषि भूमि नियमन 90-क की कार्यवाही सम्पादित की जायेगी।

क्र. सं.	नाम आवेदक	भूखण्ड संख्या साईज व स्थान	चाहा गया भू-उपयोग परिवर्तन
1	श्री अमित कुमार जैन पिता श्री राजेन्द्र कुमार जैन एवं श्रीमती चन्दा देवी सुथार पत्नि श्री भुपेन्द्र सुथार एवं श्री नरोत्तम पुरोहित पिता श्री भंवरलाल पुरोहित एवं निर्मला देवी सोनी पत्नि श्री ललित प्रसाद सोनी एवं फतेह कूंवर पत्नि स्व. श्री भंवर लाल पुरोहित एवं श्री बिहारी लाल पुरोहित पिता श्री भंवरलाल पुरोहित एवं श्री महिपाल जैन पिता श्री लक्ष्मीलाल जैन एवं रैना देवी सोनी पत्नि श्री ललित प्रसाद सोनी एवं श्री रामभरोसे पुरोहित पिता श्री भंवर लाल पुरोहित एवं श्रीमती रीना कुंवर पत्नि श्री करण सिंह पंवार निवासीयान-सलूम्बर जिला सलूम्बर	आराजी नम्बर 408 रकबा 0.1600 हैक्टेयर कुल किता 01 क्षैत्रफल, 0.1600 हैक्टेयर ग्राम सुदूर, पटवार क्षैत्र, सलूम्बर, तहसील-सलूम्बर, जिला सलूम्बर	कृषि भूमि से आवासीय नियमन/ प्रयोजनार्थ हेतु

आयुक्त, नगर परिषद सलूम्बर

रीको में औद्योगिक भूखण्डों की होगी नीलामी

राजसमन्द । राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) द्वारा राजसमंद के कुरज औद्योगिक क्षेत्र के 500 वर्ग मीटर के 2 भूखण्ड की ई-वेस्ट डिस्मेंटलिंग एवं रीसाइक्लिंग सुविधाओं के लिए नीलामी की प्रक्रिया दिनांक 15 सितंबर से शुरू कर दी गई है। क्षेत्रीय प्रबंधक श्र आर.के.गुप्ता ने बताया किइन भूखंडों की बिड दिनांक 4 अक्टूबर से 6 अक्टूबर तक लगाई जाएगी। शेष विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में 250 वर्गमीटर से 18714 वर्गमीटर तक के कुल 20 भूखण्डों की ई-नीलामी प्रक्रिया दिनांक 19 अगस्त से शुरू हो रही है। गुप्ता ने बताया कि रीको के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों यथा धोइन्दा के 3 एवं कुरज के 8 औद्योगिक भूखण्ड शामिल हैं।

दीवार ढहने से महिला मरी

उदयपुर । जिले के पाटिया थाना क्षेत्र के कलवयी गांव में सोमवार सुबह दंत करते सुमय दीवार ढहने से एक महिला की मौत हो गया। बबली देवी (60) सुबह अपने मकान के बाहर दंत कर रही थी उस समय तेज बारिश होने से दीवार ढह गई थी। सूचना मिलने पर थानाधिकारी उमेदी लाल मौके पर पहुंचे।

शिक्षक समायोजन, नई शिक्षक भर्ती नियुक्ति को लेकर दिया ज्ञापन

मावली । राजस्थान शिक्षक एवं पंचायती राज कर्मचारी संघ मावली ने प्रदेश के क्रमोन्नत विद्यालय तथा रूपांतरित महात्मा गांधी अंठोजी विद्यालय से अधिशेष हुए शिक्षकों के समायोजन, टीएसपी से नॉन टीएसपी समायोजन से वंचित शिक्षकों के समायोजन ,तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले, डीपीसी, नई शिक्षक भर्ती में दिव्यांग व गंभीर बीमारी से ठासित अभ्यर्थियों को उनके गृह जिलों में पोस्टिंग दिलाए जाने की मांग को लेकर

■ **मावली कस्बे में आज खंड अधिकारी श्रीकांत व्यास को ज्ञापन सोपा ज्ञापन ज्ञापन में बताया कि**

ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार खटीक के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी मावली को ज्ञापन सौंपा।

सौंपे गए ज्ञापन में प्रदेश के क्रमोन्नत उच्च माध्यमिक विद्यालयो तथा

राजस्थान शिक्षक संघ ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

रूपांतरित महात्मा गांधी अंठोजी माध्यम के विद्यालयो से अधिशेष हुए बीस हजार शिक्षकों की नये शिक्षकों की नियुक्ति से पूर्व काउंसलिंग आयोजित कराकर प्रारंभिक व माध्यमिक शिक्षा के विद्यालयो में समायोजन करने, समय पर तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण शुरू करने, शिक्षा विभाग में तीन सालों से वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याता वर्ग की रुकी हुई डीपीसी प्रारंभ कराने तथा टीएसपी से नॉन टीएसपी में 1903 शिक्षकों सहित समायोजन से वंचित शिक्षकों का उनके गृह जिलों में समायोजन कराने, तथा नई शिक्षक भर्ती में विधवा, परित्यता, दिव्यांग, गंभीर बीमारी से ठासित अभ्यर्थियों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उनके गृह जिलों में नियुक्ति दिलाए जाने को लेकर पांच सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष विनोद प्रकाश भारती, जितेंद्र माली, कानाराम चौहान, लोमेश पाराशर, कपिल बेनीवाल ,अनिल बदनका, भूपेंद्र पाठक, शशि मीणा उपस्थित थे।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

IDFC FIRST Bank

परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]
कब्जा नोटिस
(अचल सम्पत्ति का)

चूंकि अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) के प्राधिकृत अधिकारी है अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्न निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 05.07.2023 को एक मांग पत्र कर्जदारों, सह-कर्जदारों एवं जमानतियों 1. कृष्णा ट्रेडर्स, 2. रचना महावीर सिंह शेखावत, 3. विक्रम सिंह बी. राठौड, को जारी किया गया था, जिसमें 05.07.2023 की तिथी को देय, मांगपत्र में उल्लेखित राशी रुपये 1,18,30,612.47/- (अक्षरे रुपये एक करोड़ अठारह लाख तीस हजार छः सौ बारह और पैसे सैंतालीस मात्र) का भुगतान उपयुक्त नोटिस प्राप्ती के 60 दिन के अन्दर करने को कहा गया था।

चूंकि कर्जदार उक्त राशि को वापस चुकाने में विफल रहे है अतः कर्जदारों एवं जनसाधारण को नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है के तहत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्होंने यहां निम्न वर्णित संपत्तियों के आज सितम्बर 2023 के 15वें दिन भौतिक रूप से अपने कब्जे/अधिकार में ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों एवं आम जनता को एतदद्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा लेनदेन नहीं करें तथा इस सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) की प्रभारित शर्तो के अधीन राशी रुपये 1,18,30,612.47/- (अक्षरे रुपये एक करोड़ अठारह लाख तीस हजार छः सौ बारह और पैसे सैंतालीस मात्र) का भुगतान उस पर प्रभारित ब्याज सहित करना होगा।

कर्जदारों का ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें प्रतिभूतिकृत सम्पत्तियों को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समयावधि का उल्लेख है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण

प्लाट नं. 24, ग्राम रैवारियों का गुरा, खसरा नं. 731 से 735, उदयपुर, राजस्थान-313001 का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें निम्न है- पूर्व-प्लाट नं. 25, पश्चिम-प्लाट नं. 23, उत्तर-रोड 30 फिट चौडी, दक्षिण-प्लाट नं. 17

दिनांक- 15 सितम्बर 2023
स्थान- उदयपुर
ऋण खाता संख्या- 19320364 एवं 32278929

प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)

मोदी मंत्रिमण्डल ने महिला आरक्षण विधेयक पारित किया

संसद सत्र में विधेयक सदन में पेश किया जायेगा, लोकसभा, राज्यसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिलेगा

- **केन्द्र सरकार ने सोमवार शाम तक संसद सत्र का एजेण्डा गुप्त रखा था, शुरु से ही यह अंदेशा लगाया जा रहा था कि, प्रधानमंत्री मोदी कुछ ऐसा करने वाले हैं जिससे देश की स्थिति में आमूल-चूल परिवर्तन हो जायेगा।**
- **केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद पटेल ने ट्वीट करके महिला आरक्षण विधेयक के संबंध में पुष्टि की। अपने ट्वीट में प्रहलाद पटेल ने लिखा कि, महिला आरक्षण की मांग पूरा करने का नैतिक साहस मोदी सरकार में ही था, जो कैबिनेट की मंज़ूरी से साबित हो गया।**

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाले विधेयक को आज शाम मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सोमवार को केंद्र की कैबिनेट बैठक हुई। संसद के एनेक्सी भवन में हुई यह बैठक करीब डेढ़ घंटे चली। इस बैठक के दौरान महिला आरक्षण बिल कैबिनेट से पास हो गया। केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद पटेल ने ट्वीट करके इसकी पुष्टि की। अपने ट्वीट में प्रहलाद पटेल ने लिखा कि महिला आरक्षण की मांग पूरा करने का नैतिक साहस मोदी सरकार में ही था, जो कैबिनेट की मंज़ूरी से साबित हो गया। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन किया है।

बैठक में प्रधानमंत्री मोदी समेत विभिन्न मंत्री शामिल हुए। संसद के विशेष सत्र का ऐलान होने के बाद से अनुमान लगाए जा रहे थे कि पी.एम. मोदी एक बार फिर चौंकाएंगे। सोमवार को कैबिनेट मीटिंग के दौरान पी.एम. मोदी के अलावा विभिन्न केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। इसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कॉमर्स और इंडस्ट्री मंत्री पीयूष गोयल, संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी, निर्मला सीतारमण समेत विभिन्न केंद्रीय मंत्री मौजूद थे। वहीं, इस फैसले पर कांग्रेस की भी प्रतिक्रिया आई है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि महिला आरक्षण लागू करने की मांग कांग्रेस लंबे समय से कर रही थी। हम केंद्रीय कैबिनेट के इस फैसले का स्वागत करते हैं और बिल से जुड़ी जानकारियों का इंतजार कर रहे हैं। रमेश ने कहा कि विशेष सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में इस पर अच्छी तरह से चर्चा की जा सकती थी और पर्दे के पीछे की राजनीति के बजाय आम सहमति बनाई जा सकती थी।

जयराम रमेश ने अपने एक पुराने पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें महिला आरक्षण विधेयक की पृष्ठभूमि का हवाला दिया गया था। उन्होंने कहा था कि सबसे पहले राजीव गांधी ने 1989 के मई महीने में पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। वह विधेयक लोकसभा में पारित हो गया था, लेकिन सितंबर 1989 में राज्यसभा में पारित नहीं हो सका था। रमेश के अनुसार, अप्रैल 1993 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्ह राव ने पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक को फिर से पेश किया था। दोनों विधेयक पारित हुए और कानून बन गए। आज पंचायतों और नगर निकायों में 15 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। यह आंकड़ा 40 प्रतिशत के आसपास है। उन्होंने कहा था कि राज्यसभा में पेश/पारित किए गए विधेयक समाप्त नहीं होते हैं। इसलिए महिला आरक्षण विधेयक अभी भी मौजूद है। कांग्रेस पार्टी पिछले नौ साल से मांग कर रही है कि महिला आरक्षण विधेयक, जो पहले ही राज्यसभा से पारित हो चुका है, उसे लोकसभा से भी पारित कराया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि सर्वदलीय बैठक के दौरान भी महिला आरक्षण को लेकर चर्चा हुई थी। वहीं, कांग्रेस ने लोकसभा में मंगलवार को महिला आरक्षण विधेयक पेश करने और इसे सर्वसम्मति से पारित कराने की सत्ता पक्ष से मांग की थी। वहीं, कैबिनेट मीटिंग को लेकर खूब कयासबाजी चल रही थी। अनुमान लगाए जा रहे थे कि कैबिनेट मीटिंग में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा कर सकती है। वहीं, कुछ लोगों का ऐसा भी कहना कि वन नेशन, वन इलेक्शन पर बात होने की उम्मीद है। विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों ही तरफ से महिला आरक्षण बिल को लेकर जोर दिया जा रहा था। इसलिए सबसे ज्यादा अनुमान इसी को लेकर था। सोमवार को संसद के विशेष सत्र के संबोधन के दौरान भी पी.एम. मोदी ने इस बारे में संकेत दिए थे। उन्होंने कहा कि संसदीय इतिहास के प्रारंभ से अब तक दोनों सदनों में कुल मिलाकर लगभग 7500 सदस्यों ने प्रतिनिधित्व किया है जिनमें करीब 600 महिला सदस्य रही हैं। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे महिला सदस्यों की संख्या बढ़ती गयी है। माना जा रहा था कि यह महिला आरक्षण का संकेत है।

पहली बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाषण में उन्होंने कहा, नेहरू के "ट्रिस्ट विद डैस्टिनी" भाषण की गूंज भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

नेहरू ने, 15 अगस्त 1947 को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि, "आधी रात के समय जब दुनिया सो रही होगी, भारत जीवन और स्वतंत्रता में आँखें खोलेगा।"

मोदी ने कहा, "आज भारत की 75 वर्षों की संसदीय यात्रा को याद करने का अवसर है। हम भले ही नई ईमारत में शिफ्ट हो रहे हैं लेकिन यह भवन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा, क्योंकि यह भारतीय प्रजातंत्र की यात्रा का "स्वर्णिम अध्याय" है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट हैदराबाद में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की दो दिवसीय बैठक में शामिल होने के बाद सोमवार को जयपुर लौट आये। पायलट के हैदराबाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी सहित कई वरिष्ठ नेताओं के साथ राजस्थान विधानसभा चुनाव के संबंध में गहन चर्चा हुई। पायलट 20 सितम्बर से ही पुनः अपने विधानसभा क्षेत्र टोंक में आयोजित कार्यक्रमों में व्यस्त रहेंगे।

सचिन पायलट ऐतिहासिक सी.डब्ल्यु.सी. बैठक के बाद लौटे राजस्थान

वापसी पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व आम लोगों ने सचिन पायलट का शानदार स्वागत किया

- **सचिन पायलट को तेलंगाना में कांग्रेस के प्रचार की कमान सौंपी गई।**
- **दो दिवसीय बैठक में पायलट ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी व के.सी. वेणुगोपाल व अन्य शीर्ष नेताओं से मुलाकात की।**
- **हैदराबाद में प्रवासी राजस्थानी संगठन ने पायलट का स्वागत किया।**

जयपुर, 18 सितम्बर। कांग्रेस पार्टी की सर्वोच्च कार्यकारी संस्था, सी.डब्ल्यू.सी, की हैदराबाद में हुई 2 दिवसीय बैठक के बाद सचिन पायलट मंगलवार शाम को राजस्थान वापस लौट आए हैं। इस दौरान सचिन पायलट को आगामी तेलंगाना चुनाव के लिए पार्टी के हाई कमान द्वारा प्रचार की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। सोमवार को सचिन पायलट ने नामपल्ली विधान सभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के लिए जन संपर्क तथा प्रचार भी किया।

2 दिवसीय बैठक के दौरान सचिन पायलट की मुलाकात मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, के सी वेणुगोपाल एवं पार्टी के अन्य शीर्ष नेतृत्व के सदस्यों से हुई। इन बैठकों में आगामी राजस्थान चुनाव और लोक सभा चुनाव से संबंधित एहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

हैदराबाद यात्रा के दौरान, पायलट को वहां पर स्थित, प्रवासी राजस्थान संगठन, ने भी सम्मानित किया और उनसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

सचिन पायलट 20 सितंबर को अपनी विधान सभा क्षेत्र, टोंक में आयोजित कार्यक्रमों में कई विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे।

खड़गे और राहुल गांधी 23 सितंबर को जयपुर आयेंगे

दोनों नेता कांग्रेस के नये बनने वाले प्रदेश मुख्यालय का शिलान्यास करेंगे

- **कांग्रेस का प्रदेश मुख्यालय, शिप्रा पथ पर सिटी पार्क के सामने बनेगा। कार्यालय के लिए 6000 वर्ग गज जमीन आवंटित की गई है।**
- **राहुल व खड़गे कांग्रेस के विभिन्न स्तर के 55 हजार पदाधिकारियों के साथ संवाद भी करेंगे।**

जयपुर, 18 सितम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी 23 सितंबर को जयपुर आयेंगे और राजस्थान कांग्रेस के नए मुख्यालय का शिलान्यास करेंगे।

मुख्यालय के शिलान्यास के बाद राजस्थान कांग्रेस की सभा के साथ कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम भी तय किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के जरिए राजस्थान कांग्रेस अपने चुनावी अभियान की शुरुआत भी करेगी। इस सभा के जरिए कांग्रेस के बूथ लेवल से लेकर जिला स्तर तक के पदाधिकारियों को चुनावी टास्क दिए जांएगे।

राजस्थान कांग्रेस ने इस कार्यक्रम के लिए 55 हजार पदाधिकारियों को बुलाया है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस के 52 हजार बूथ अध्यक्षों, 2200 मंडल अध्यक्षों, 400 ब्लॉक अध्यक्षों, 40 जिलाध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों को इस सभा में बुलाया गया है। कार्यक्रम की तैयारी देखने के बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को 23 सितंबर को नए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के भवन के शिलान्यास का निमंत्रण दिया गया है। शिलान्यास के बाद सभा रखी गई है। हमारे बूथ अध्यक्षों से लेकर सभी पदाधिकारियों को बुलाया है। सरकार से हमने नए भवन के लिए जमीन आवंटित करवाई है। सभी औपचारिकताएं पूरी कर दी गई हैं। मानसरोवर में शिप्रा पथ पर नए सिटी पार्क के सामने पीसीसी की बिल्डिंग बनेगी। कांग्रेस मुख्यालय बनाने के लिए 6000 वर्ग गज जमीन अलॉट हो चुकी है। नए मुख्यालय के प्रोजेक्ट पर करीब 80 करोड़ की लागत आएगी। प्रदेश कांग्रेस ने पहले 23 अगस्त को शिलान्यास का कार्यक्रम प्लान किया था, लेकिन राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से समय नहीं मिलने के कारण इसे टाल दिया गया। अब नए सिरे से कार्यक्रम बनाया है। कांग्रेस के नए मुख्यालय में प्रदेशाध्यक्ष से लेकर पदाधिकारियों के अलग-अलग चैंबर बनेंगे। कांग्रेस के साथ ही यूथ कांग्रेस, एन.एस.यू.आई., महिला कांग्रेस, सेवा दल के मुख्यालय भी इसी नए भवन में होंगे। कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठ, विभागों के दफ्तर एक जगह इसी मुख्यालय में होंगे। नए मुख्यालय में कांग्रेस के इतिहास से जुड़ा मिनी म्यूज़ियम भी बनेगा।

झारखण्ड के मु.मंत्री को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

नई दिल्ली, 18 सितंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने कथित अवैध खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) के समन को चुनौती देने वाली झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका सोमवार को खारिज करते हुए उन्हें झारखंड उच्च न्यायालय दरवाजा खटखटाने को कहा।

न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने सोरेन के वकील मुकुल रोहतगी से कहा कि वो राहत के लिए पहले उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर करें।

पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति बोस ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा, आप (सोरेन) उच्च न्यायालय क्यों नहीं जाते? पहले आप वहां जाएं।

चुनाव आयुक्तों का दर्जा घटाने के विधेयक से सरकार ने हाथ पीछे खींचे

- **चुनाव आयुक्तों का दर्जा घटाने और उनकी नियुक्ति वाले पैनल से सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटाने वाले विधेयक को सरकार ने संसद के विशेष सत्र के एजेंडे से हटा लिया है।**

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। चुनाव आयुक्तों का दर्जा घटाने और उनकी नियुक्ति वाले पैनल से सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटाने वाले बिल को सरकार ने संसद के विशेष सत्र के एजेंडे से हटा लिया है। सरकार ने रविवार को जिन 8 बिलों के बारे में विपक्ष को जानकारी दी है, उनमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में बदलाव करने वाला बिल शामिल नहीं है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि सरकार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में संशोधन वाले बिल में कुछ बदलाव करने पर विचार कर रही है। अब नए सिरे से बदलाव किए जाने के बाद ही बिल को सदन में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा।

दरअसल यह चर्चा थी कि सरकार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में बदलाव वाला बिल इसी सेशन में पेश करेगी। इसके तहत आयुक्तों को सुप्रीम कोर्ट के जज के दर्जे की बजाय कैबिनेट सचिव वाली हैसियत दी जानी थी। इसका तीखा विरोध हो रहा था। विपक्ष इसे चुनाव आयोग की स्वायत्ता से समझौता बता रहा था को वहीं 9 पूर्व चुनाव आयुक्तों ने पी.एम. मोदी को खत भी लिखा था। सरकारी सूत्रों का कहना है कि अब सरकार खुद अपने स्तर पर भी बदलाव की जरूरत महसूस कर रही है। इसीलिए बिल को कुछ वक्त के इंतजार और संशोधन के बाद ही पेश किया जाएगा।

इस बिल को लेकर सबसे बड़ी आपत्ति यह भी है कि आखिर चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से चीफ जस्टिस को क्यों हटाया जा रहा है। मौजूदा नियमों के मुताबिक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाले पैनल का चीफ जस्टिस भी हिस्सा होते हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल मार्च में आदेश दिया था।

जे.डी.एस. सांसद को राहत

नई दिल्ली, 18 सितंबर (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना की संसद सदस्यता रद्द करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इस मामले में संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उच्च न्यायालय के एक सितंबर के आदेश पर रोक लगाने का आदेश पारित किया।

केरल और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपस्थिति नाममात्र की है।

लेकिन बड़ा खतरा यह है कि, इससे गठबंधन के अन्य घटकदल बड़ी सौदेबाजी करने के लिये तथा अपनी क्षमता से बढ़कर दावेदारी करने के लिये प्रेरित -प्रोत्साहित हो सकते हैं। अरविन्द केजरीवाल की "आप" तथा कांग्रेस दिल्ली और पंजाब में सीट-शेयरिंग के मामले में पहले से ही परस्पर उलझ रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी तथा पंजाब में कांग्रेस की राज्य इकाइयों के नेता पार्टी नेतृत्व को सीट-शेयरिंग व्यवस्था की अवहेलना करने सलाह दे रहे हैं। साफ जाहिर है कि, इस प्रकार की घटनाओं से भाजपा को पूरा मौका मिल जायेगा, नवगठित विपक्षी गठबंधन में एकता के अभाव की आलोचना करने का। लेकिन, जैसा कि इंडिया गठबंधन के नेता घोषणा कर चुके हैं, वे, जहाँ तक संभव होगा, वन-टु-वन की लड़ाई ही रखना चाहेंगे।

सूत्रों ने कहा कि, उन राज्यों में, जहाँ कांग्रेस, भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी है, सहमति /समझौते तक पहुँचने की कोशिश की जायेगी। इन राज्यों में गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा तथा हिमालचल प्रदेश जैसे राज्य शामिल हैं।

'प्लेटफॉर्म पर रहने वाला एक शख्स संसद तक पहुंच गया'

- **प्रधानमंत्री मोदी पुराने संसद भवन में अपने आखिरी संबोधन के दौरान बेहद भावुक हो गये।**
- **प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में शोर-शराबे और वॉकआउट के संबंध में विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि, रोने-धोने के लिए बहुत समय पड़ा है, संसद सत्र बहुत छोटा है, इसे उपयोगी बनायें।**

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। संसद के विशेष सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, आज यह पुराने भवन में आखिरी दिन है। कल से हम नए संसद भवन में शिफ्ट होंगे और नई शुरुआत होगी। लेकिन यह भवन हमारे लिए साझी विरासत रहा है और तमाम प्रेरक पल यहां से जुड़े रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस दौरान भावुक भी नजर आए और कहा कि इसी संसद भवन से हमारी तमाम यादें भी जुड़ी हैं, जो झकझोर देती हैं। उन्होंने अपनी जीवन यात्रा का भी इस दौरान जिक्र किया और कहा कि प्लेटफॉर्म पर रहने वाला एक शख्स संसद तक पहुंच गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष के विरोध की आशंकाओं को थामने के लिए कुछ ऐसी बातें कहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, संसद सत्र बहुत छोटा है इसे उपयोगी बनायें, रोने-धोने के लिए बहुत समय पड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जब मैं पहली बार सांसद के रूप में इस भवन में आया, तो सफल रूप से मैंने इस संसद भवन की पटल पर अपना सिर झुकाकर आया था। इस लोकतंत्र के मंदिर में श्रद्धाभाव से मैंने कदम रखा था। भारत के लोकतंत्र की ताकत है कि रेल प्लेटफॉर्म पर गुजारा करने वाला गरीब करने वाला संसद पहुंच गया। मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि देश मुझे इतना सम्मान देगा। उन्होंने कहा कि इस भवन को बनाने का फैसला भले ही अंग्रेजी हुकूमत का था, लेकिन इसके निर्माण में परिश्रम और पैसा देश के लोगों का ही लगा था।

इस 75 वर्ष की हमारी यात्रा ने हमें कई यादें दी हैं। भले ही हम नए भवन में जा रहे हैं, लेकिन यह भी आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

पुराने भवन की यादों को लेकर पी.एम. मोदी ने कहा कि इस सदन से विदाई लेना भावुक पल है।

इस वर्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और प्रतिभूति लेन-देन कर सहित व्यक्तिगत आयकर (पी.आई.टी.) 447291 करोड़ रुपये रहा है। इस अवधि में प्रत्यक्ष कर का सकल संग्रह 9,87,061 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 8,34,469 करोड़ रुपये की तुलना में 18.29 प्रतिशत अधिक है।

अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्नामलाई पर बरसते हुए उन्होंने कहा, "वे अहंकारी हैं। दोनों के बीच गठबंधन नहीं है, इसका निर्णय चुनाव के समय ही हो सकता है। अचानक वे हमारे नेताओं की आलोचना कर रहे हैं, जिसे हम बर्दाश्त नहीं कर सकते। हमने यह मामला भाजपा हाई कमान के सामने भी उठाया, उसके बावजूद वे ऐसा कर रहे हैं तो भाजपा की जानकारी से ही हो रहा है।

11 सितम्बर को हिंदू रिलिजस एण्ड चैरिबेटल एन्डाओमैंट्स मंत्री पी.के. शेखरबाबू ने यहां सनातन धर्म हटाओ सम्मेलन का नेतृत्व किया था तब अन्नामलाई ने अन्नादुराई के खिलाफ बयान दिया था।

कांग्रेस का चतुर दांव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इतिहास का उल्लेख किया तथा कांग्रेस शासन के दौरान लाई गई उन 20 प्रमुख योजनाओं का उल्लेख किया, जिन्होंने भारत के इतिहास की दिशा बदल दी। उन्होंने कांग्रेस द्वारा लाये गये सभी प्रमुख कानूनों के उल्लेख के साथ ही, दासता-उन्मूलन का उल्लेख किया। खड़गे ने कहा, "नेहरु जी का मानना था कि मजबूत विपक्ष की गैरमौजूदगी का अर्थ है कि, सिस्टम में उल्लेखनीय कमियाँ एवं खामियाँ हैं। अगर सशक्त विपक्ष नहीं है, तो यह अच्छी बात नहीं है। अब, जब सशक्त विपक्ष है तो इसे ई.डी., सी.बी.आई.-- के जरिये कमजोर करने पर फोकस किया जा रहा है।" जवाहर लाल नेहरु तथा राष्ट्र-निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुये, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "नेहरु जी ने बड़े मुश्किल समय में भारत का नेतृत्व किया। वे भारत की आजादी की खातिर 14 वर्ष जेल में रहे। नये संसद भवन में पहुंच जाने मात्र से, कुछ नया नहीं हो जायेगा।" उन्होंने कहा, भाजपा को उनके (नेहरु) बारे में अपमानजनक बातें करना बंद कर देना चाहिये।

खड़गे ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में केवल दो बार बयान दिये हैं तथा उन्होंने इसकी (जवाब देने की) तुलना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा मनमोहन सिंह से की है। उन्होंने कहा, "अपने कार्यकाल में, अटल बिहारी वाजपेयी ने 21 बार तथा मनमोहन सिंह ने 30 बार बयान दिये थे।" उन्होंने आगे कहा, "किन्तु प्रधानमंत्री मोदी ने चन्द "प्रथागत एवं औपचारिक टिप्पणियों" के अलावा केवल दो बार ही बयान दिये हैं।"

'भाजपा सनातन धर्म का मुद्दा मूल मसलों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंह ने कथित रुप से पार्टी से कहा कि, पार्टी इस पूरे मुद्दे पर बहुत सतर्कतापूर्ण तरीका अपनाये।

भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडा का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मांग की कि, 2021 की जनगणना प्रक्रिया को तुरंत आरंभ किया जाय, जिसमें जाति आधारित जनगणना भी हो। उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि, जनगणना करवाने में विलंब के कारण 14 करोड़ लोग भोजन का अधिकार कानून से वंचित हैं और लगभग 18 प्रतिशत लोग मनरेगा के दायरे से बाहर हैं।

इसके साथ ही महिला मतदाताओं को दृष्टिगत रखते हुए कांग्रेस ने एक प्रस्ताव पारित कर मांग की कि, कांग्रेस के नेतृत्व वाली मनमोहन सरकार के दौरान राज्यसभा से पारित महिला आरक्षण विधेयक को 18 सितंबर से आरंभ हो रहे लोकसभा के विशेष सत्र में पारित करवाना चाहिए। कांग्रेस ने जोर दिया कि, महिलाओं को निर्वाचित निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए पार्टी राजीव गांधी सरकार के समय से ही प्रतिबद्ध है।

जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, उनके राज्य पार्टी प्रमुखों ने पार्टी के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले मंच को अपने राज्यों की स्टेटस रिपोर्ट पेश की। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, सबसे ज्यादा एकजुटता की जरूरत है। जिससे आगामी चुनाव में जीत मिल सके।

खड़गे ने इस बात पर भी जोर दिया कि, नेताओं को आत्म नियंत्रण रखना चाहिए और अपने पार्टी सहयोगियों या पार्टी के विरूद्ध मीडिया में बयान देने से बचना चाहिए ताकि संगठन के हितों का नुकसान न हो।

उन्होंने कहा, "इसी तरह संगठनात्मक एकता बहुत जरूरी है। केवल एकता और अनुशासन से ही हम अपने विरोधियों को हरा सकते हैं। यह कर्नाटक में स्पष्ट हो गया जहां हमने एकता और अनुशासन से विजय प्राप्त की।"

खड़गे ने कहा, "मैं यहां मौजूद राज्य अध्यक्षों संसदीय दल के सदस्यों से पूछना चाहूंगा-क्या मंडल, ब्लॉक और जिला स्तर पर आपकी समितियां तैयार हैं? क्या हम उन्हें नियमित रुप से कार्यक्रम दे रहे हैं। क्या हमने संभवित प्रत्याशियों का चयन आरंभ कर दिया।

हैदराबाद की बैठक में जो चर्चाएं हुईं और प्रस्ताव पारित किए गए वे पार्टी के बढ़ते आत्मविश्वास के सूचक हैं। जो पार्टी विभाजित और दिशाहीन थी, उसे अध्यक्ष के चुनाव और राहुल गांधी की चार माह लंबी भारत जोड़ो यात्रा ने एक दृढ़ व समर्पित संगठन में बदल दिया। अब, संगठन ऐसी सरकार को हराने के लिए प्रतिबद्ध है जिसने सभी संस्थाओं को खतरे में डाल दिया और जो महात्मा गांधी द्वारा स्वाधीनता संग्राम में प्रतिपादित किए गए "भारत के विचार" को दफनाने की कोशिश में है।

अडानी केस में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें वर्तमान समिति के कुछ सदस्यों के हितों के टकराव पर चिंता व्यक्त की गई है। मार्च 2023 में शीर्ष कोर्ट ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अडानी समूह के विरूद्ध लगाए गए आरोपों की जांच और नियमन की संभावित असफलताओं की जांच के लिए समिति गठित की थी।

समिति की अध्यक्षता कर रहे हैं जस्टिस (रिटायर्ड) अभय मनोहर सप्रे और सदस्यों में शामिल हैं ओ.पी. भट्ट, जस्टिस पी. देवधर, के.वी. कामर्थ, नंदन नीलकेणि और सोमसुंदर सुंदरेशन। आवेदन में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष ओ.पी. भट्ट को शामिल करने पर ऐतराज उठाया गया है, जो वर्तमान में अक्षय ऊर्जा कम्पनी ग्रीन्को के अध्यक्ष हैं। इसमें कहा गया है कि, ग्रीन्को और अडानी समूह की मार्च 2022 से गहरी भागीदारी है, भारत में अडानी की सुविधाओं को ऊर्जा प्रदान करने के लिए।

याचिकाकर्ता ने पहले समिति के एक अन्य सदस्य सोमशेखर सुंदरेशन पर भी ऐतराज किया था क्योंकि वे सेबी बोर्ड सहित विभिन्न मंचों पर अडानी का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। सुप्रीम कोर्ट में हिंडनबर्ग रिपोर्ट से संबंधित कई याचिकाएं दायर की गई हैं, जिनमें निवेशकों के हितों को सुरक्षित रखने की नियमन प्रक्रिया भी शामिल हैं। 24 जनवरी की हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने आरोप लगाया था कि, अडानी समूह ने शेयरों में हेराफेरी तथा धोखाधड़ी की थी, हालांकि अडानी समूह ने इसे एक अनैतिक झूठ बताकर इससे इंकार किया है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

MARUTI SUZUKI
NEXA
BUILT TOUGH TO THRILL
ON EVERY TERRAIN.
CREATE. INSPIRE.
IGNIS
Scan the QR code
for more details
about the Ignis.
IGNIS
COMPACT URBAN SUV
17.78 cm SmartPlay Studio
(Available from Zeta variant onwards)
Auto Gear Shift
Spacious and Comfortable Interiors
Automatic Climate Control
1.2L VVT Petrol Engine
NEXA
Safety Shield
Standard Across All Variants
SUZUKI-TECT BODY
DUAL FRONT AIRBAGS
ESP
SEAT BELT PRE-TENSIONERS WITH FORCE LIMITERS
ISOFIX CHILD SEAT ANCHORAGES
PEDESTRAIN PROTECTION COMPLIANCE
FULL FRONTAL IMPACT COMPLIANCE, FRONTAL OFFSET IMPACT COMPLIANCE, SIDE IMPACT COMPLIANCE
*Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. For details on functioning of safety features, including air bags, kindly refer Owner's Manual.
VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO AVAIL EXCITING OFFERS.
Contact us at
1800-200-6392
1800-102-NEXA
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE
UDAIPUR: NEXA CENTRAL UDAIPUR (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), NEXA GOVERDHAN VILAS (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695).
*Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. For more details, please contact your nearest NEXA dealership.
SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
Multiple financiers
Digital Document Upload
Live Loan status
Complete transparency
(associated fees & charges)